

विचार बिन्दु

निरन्तर बदलने की इच्छा रखना एक ताकत होती है, चाहे इसकी वजह से कंपनी का एक बड़ा हिस्सा कुछ देर के लिए पूरी तरह से अव्यवस्थित क्यों ना हो जाए। -जैक वेल्स

परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में देश का बड़ा कदम

इस माह के पहले हफ्ते में भारत ने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की जब तमिलनाडु के कल्पक्कम में 500 मेगावाट के फास्ट ब्रॉडर रिपेक्टर के प्रोटोटाइप ने सफलतापूर्वक पहली क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। इसका अर्थ है कि इस संयंत्र में परमाणु के लगातार चल सकने वाली नियंत्रित विखंडन श्रृंखला की शुरुआत हुई है। देश में दीर्घकालिक

ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और स्वदेशी परमाणु प्रौद्योगिकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। यह उपलब्धि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की सभी शर्तों को पूरा करने के बाद मिली, जिसने संयंत्र प्रणालियों की सुरक्षा की गहन समीक्षा के बाद इसे मंजूरी मिली थी। हमारे लिये गर्व की बात यह है कि फास्ट ब्रॉडर रिपेक्टर प्रोटोटाइप का प्रौद्योगिकी विकास और डिजाइन परमाणु ऊर्जा विभाग के अनुसंधान और विकास केंद्र इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में स्वदेशी रूप से हुआ है। इसका निर्माण और चालू करने का कार्य परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फास्ट ब्रॉडर रिपेक्टर भारत की दीर्घकालिक परमाणु रणनीति की आधारशिला है। पारंपरिक थर्मल रिपेक्टरों के विपरीत, यह प्रोटोटाइप यूरेनियम और प्लूटोनियम के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इस संयंत्र का अंदरूनी कोर हिस्सा यूरेनियम-238 की एक परत से घिरा होता है। तीव्र न्यूट्रॉन, यूरेनियम-238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित कर देते हैं, जिससे रिपेक्टर अपनी ईंधन की खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करने में सक्षम हो जाता है। इस रिपेक्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि भविष्य में इसकी परत में थोरियम-232 का उपयोग किया जा सके। ट्रांसम्यूटेशन की प्रक्रिया के माध्यम से, थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण के लिए ईंधन का काम करेगा। यह अद्वितीय क्षमता परमाणु ईंधन संसाधनों को प्रयोग को काफी हद तक बढ़ा देती है और देश को अपने सीमित थोरियम भंडारों से कहीं अधिक ऊर्जा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, साथ ही भविष्य में देश में उपलब्ध थोरियम के भंडारों का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए भी तैयार करती है। पहली क्रिटिकैलिटी हासिल करने के साथ ही, भारत अपने तीन-चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की पूर्ण क्षमता को साकार करने के और कदम पहुंच गया है। फास्ट ब्रॉडर टेक्नोलॉजी, प्रेरणादायक हेवी वाटर रिपेक्टरों के मौजूदा इकाइयों और भविष्य में थोरियम-आधारित रिपेक्टरों की तैनाती के बीच एक ज़रूरी पुल का काम करेगी और देश के प्रचुर थोरियम संसाधनों का इस्तेमाल करके लंबे समय तक स्वच्छ ऊर्जा पैदा करने में मदद करेगी। यह उपलब्धि भारत के स्वदेशी डिजाइन, इंजीनियरिंग और मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम की ताकत को दर्शाती है। इस रिपेक्टर में उन्नत सुरक्षा प्रणालियाँ, उच्च-तापमान वाली लिक्विड सोडियम कुलेंट टेक्नोलॉजी और एक क्लोज्ड फ्लूइड साइकिल की समझ शामिल है। यह समझ परमाणु सामग्री की रिसाइक्लिंग को संभव बनाएगी, जिससे स्थिरता बढ़ेगी है और परमाणु कचरा कम होगा।

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिपेक्टर के डिजाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। ऊर्जा उत्पादन से परे, फास्ट ब्रॉडर कार्यक्रम परमाणु ईंधन चक्र टेक्नोलॉजी, उन्नत सामग्री, रिपेक्टर भौतिकी और बड़े पैमाने की इंजीनियरिंग में रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विकसित ज्ञान और बुनियादी ढांचा भविष्य के रिपेक्टर डिजाइनों और अगली पीढ़ी की परमाणु टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद करेगा। जैसे-जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहा है, फास्ट ब्रॉडर रिपेक्टर उच्च तापीय दक्षता के साथ विश्वसनीय, कम-कार्बन और बेस-लोड बिजली प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसलिए फास्ट क्रिटिकैलिटी की उपलब्धि न केवल एक तकनीकी मील का पत्थर है, बल्कि विकसित भारत के लिए एक स्थायी और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और सबसे भरोसेमंद ऊर्जा स्रोतों में से एक मानी जाती है। जो तकनीक

यह प्रोजेक्ट बड़ी संख्या में उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और उद्योग भागीदारों के समर्पण को भी दर्शाता है, जिन्होंने मुख्य रूप से स्वदेशी टेक्नोलॉजी और घटकों का उपयोग करके रिपेक्टर के डिजाइन, निर्माण और संरचना में योगदान दिया है। उनके प्रयास उन्नत परमाणु इंजीनियरिंग में राष्ट्र की बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं।

कार्यप्रणाली को यूं समझ सकते हैं कि पहले चरण में थोरियम को थोड़ी मात्रा में यूरेनियम या प्लूटोनियम के साथ रिपेक्टर कोर में डाला जाता है। यह प्रारंभिक ईंधन न्यूट्रॉन उत्सर्जित करता है जो थोरियम को यूरेनियम-233 में परिवर्तित करने में सहायता करते हैं, जो बाद में मुख्य ईंधन बन जाता है। दूसरे चरण में थोरियम-232 एक न्यूट्रॉन को अवशोषित करता है और रेडियोधर्मी क्षय के माध्यम से थोरियम-233 में परिवर्तित हो जाता है। इस प्रक्रिया को अग्रिम चरण में जब यूरेनियम-233 नाभिकीय अभिक्रिया को कुशलतापूर्वक बनाए रख सकता है। तीसरे चरण में जब यूरेनियम-233 के परमाणुओं पर न्यूट्रॉन टकराते हैं, तो उनमें विखंडन होता है, जिससे भारी मात्रा में ऊष्मा निकलती है। इस ऊष्मा का उपयोग भाप बनाने के लिए किया जाता है, जो टर्बाइनों को चलाकर बिजली पैदा करती है। चौथे चरण में रिपेक्टर में पैदा हुई गर्मी को सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जाता है। कई डिजाइन, जैसे कि मोल्टन सॉल्ट रिपेक्टर, कम दबाव पर काम करते हैं और उनमें सुरक्षा के लिए अतिरिक्त विशेषताएं होती हैं, जिससे मेल्टडाउन का जोखिम कम हो जाता है। वर्ना गर्मी इतनी होती है कि खुद रिपेक्टर ही गल जाए पांचवें चरण में थोरियम रिपेक्टर कम समय तक रेडियोधर्मी रहने वाला अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। हालांकि यह अभी भी खतरनाक है, लेकिन अपशिष्ट कम समय तक रेडियोधर्मी रहता है, जिससे इसका प्रबंधन और भंडारण आसान हो जाता है। भारत और चीन जैसे देश अपने विशाल थोरियम भंडारों और बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के कारण थोरियम-आधारित तकनीकों पर सक्रिय रूप से शोध कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ बिजली उत्पादन में यह तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। भारत में थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के विशाल थोरियम भंडार का उपयोग करके ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। भारत के पास यूरेनियम की तुलना में थोरियम का बहुत बड़ा भंडार है, खासकर केरल, तमिलनाडु और ओडिशा के तटीय इलाकों में। इसी कारण भारत ने थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा ने की थी। भारत ने थोरियम के उपयोग के लिए 3-स्टेज न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाया है जिसमें पहला चरण प्रेरणादायक हेवीवाटर रिपेक्टर का है जिसमें यूरेनियम-238 ईंधन से प्लूटोनियम-239 बनाया जाता है। दूसरे चरण में फास्टब्रॉडर रिपेक्टर प्लूटोनियम का उपयोग करके अधिक ईंधन (यूरेनियम-233) बनाता है। यह चरण थोरियम उपयोग की तैयारी करता है। कल्पक्कम फास्ट ब्रॉडर रिपेक्टर इस चरण का प्रमुख प्रोजेक्ट है। इसके आगे तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिपेक्टर थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में बदलेगा। यही भविष्य का लक्ष्य है। इस प्रमुख थोरियम आधारित प्रोजेक्ट में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा एडवांस हेवी वाटर रिपेक्टर विकसित किया जा रहा है जिसमें थोरियम और यूरेनियम-233 को मिलाकर ईंधन बनाया जाएगा। इसकी विशेषता यह है कि वह अधिक सुरक्षित है तथा कम रेडियोधर्मी कचरा पैदा करता है। लंबे समय तक ऊर्जा उत्पादन के लिये थोरियम के अनेक फायदे गिनाए जाते हैं। सबसे बड़ा फायदा तो यह कि थोरियम भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है जो अधिक सुरक्षित और कम जोखिम वाला इसलिए है कि वह कम परमाणु कचरा उत्पन्न करता है और देश के लिये दीर्घकालिक ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराता है। लेकिन इसकी चुनौतियाँ भी हैं। यह तकनीक अभी विकास के चरण में है। यूरेनियम-233 का उत्पादन जिसल होता है उसे भारतीय वैज्ञानिक अपनी मेधा से पार पा रहे हैं। इस प्रौद्योगिकी की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, लेकिन यदि यह सफलता पूर्वक हासिल कर ली जाती है तो बाद में दीर्घ काल तक मुनाफा देने वाली साबित होती है। यह भी सही है कि अभी यह प्रौद्योगिकी विकास के चरण में है और इसका वाणिज्यिक स्तर पर उपयोग अभी दूर है इसलिए नहीं किया जा सका है। वर्तमान स्थिति पर नजर डालें तो भारत अभी इस तकनीक के दूसरे चरण पर काम कर रहा है। थोरियम आधारित रिपेक्टर तीसरा चरण होगा जिस पर अनुसंधान जारी है। इसलिए नई तकनीक से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य अभी दूर है। मगर भारत का थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि यह सफल होता है, तो भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश बन सकता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

हमारे समाज में एक गहरा और चिंताजनक विरोधाभास मौजूद है। एक ओर हम चिकित्सक को भावाना का रूप कहकर सम्मानित करते हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवहार में उसी चिकित्सक के श्रम, ज्ञान और समय का मूल्य देने से बचते हैं। यह विरोधाभास केवल शब्दों और व्यवहार का अंतर नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जिसमें हम सेवा और पेशेवर मूल्य के बीच का अंतर समझने में असफल रहते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि एक डॉक्टर बना किसी सामान्य डिग्री हासिल करने जैसा नहीं है। यह एक लंबी, कठिन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक यात्रा है, जिसमें 15 से 20 वर्षों तक लगातार अध्ययन, प्रशिक्षण और मानसिक दबाव शामिल होता है। एक छात्र को सबसे पहले एनईटी जैसी कठिन परीक्षा को पास करना होता है, जिसमें लाखों विद्यार्थी भाग लेते हैं, लेकिन सीटें सीमित होती हैं। इसके बाद एम्बीबीएस को 5.5 वर्षों की पढ़ाई, जिसमें थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटरशिप शामिल होती है। लेकिन एक सामान्य डॉक्टर बनने के बाद भी यदि कोई विशेषज्ञ बनना चाहता है, तो उसे पीजी (एमडी/एमएस) करना पड़ता है, जिसके लिए फिर से कठिन प्रतिस्पर्धा का सामना करना होता है। इसके बाद भी कई डॉक्टर सुपर-स्पेशलाइजेशन (डीएम/एमसीएच) करते हैं, जिससे उनकी कुल तैयारी का समय 15-20 वर्ष तक पहुँच जाता है।

इस पूरी प्रक्रिया में केवल समय ही नहीं, बल्कि आर्थिक निवेश भी अत्यधिक होता है। सरकारी कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कुछ राहत मिलती है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुँच जाती है। कई परिवार अपने जीवनभर की बचत, जमीन-जायदाद, या कर्ज लेकर अपने बच्चों को डॉक्टर बनाते हैं।

यह निवेश केवल पैसे का नहीं होता - यह समय, मानसिक शांति, सामाजिक जीवन और स्वास्थ्य के

त्याग का निवेश होता है।

अब प्रश्न यह उठता है कि इतने बड़े त्याग और निवेश के बाद जब वही व्यक्ति डॉक्टर बनकर समाज के सामने आता है, तो क्या उसे वह सम्मान मिलता है जिसका वह अधिकारी है?

वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। समाज के कई वर्ग डॉक्टर को सेवा प्रदाता के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उसे एक पेशेवर के रूप में स्वीकार करने में संकोच करते हैं।

मोहल्ले का किराने वाला डॉक्टर से हर वस्तु का पूरा पैसा लेता है, लेकिन डॉक्टर से मुफ्त में सलाह लेना अपना अधिकार समझता है। ट्यूब्यूलन पढ़ाने वाला शिक्षक अपनी फीस पूरी लेता है, लेकिन डॉक्टर को स्टाइल संबंधी सलाह मुफ्त चाहता है।

यहाँ तक कि कई बार घर के कर्मचारी, परिचित और रिश्तेदार भी यही अपेक्षा रखते हैं कि डॉक्टर उनके लिए बिना शुल्क के उपलब्ध रहे। यह मानसिकता केवल आर्थिक असंतुलन नहीं दर्शाती, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि हम डॉक्टर के ज्ञान और समय का मूल्य नहीं समझते।

हर व्यक्ति डॉक्टर से लाभ लेना चाहता है, लेकिन उनके ज्ञान का मूल्य देने को तैयार नहीं होता। विडम्बना यही समाज नहीं होती। जब डॉक्टर स्वयं किसी अन्य सेवा क्षेत्र में जाता है - चाहे वह वकील हो, इंजीनियर हो, दुकानदार हो या कोई अन्य पेशेवर - तो उनसे पूरा शुल्क लिया जाता है, कई बार अधिक भी।

अर्थात्, समाज को डॉक्टर से सेवा तो चाहिए, लेकिन मुफ्त में! लेकिन डॉक्टर को कोई भी सर्विस या सामान बेचने वालों को पूरा पैसा चाहिए और उन्हें भी पेशेवर मानने में संकोच करते हैं। हम यह नहीं सोचते कि हमारे यहाँ जो रिपेरेिंग सर्विस वाले लोग आते हैं वो एक विजित का हज़ार रुपए तक चार्ज करते हैं लेकिन हमें डॉक्टर को पाँच सौ रुपए की फीस देने में तकलीफ होती है। हमें हमारी यही सोच बदलनी होगी। जबकि दोनों की कार्यकुशलता की तुलना अकल्पनीय है।

स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब कोई आपातकालीन परिस्थिति उत्पन्न होती है। डॉक्टर अपनी पूरी क्षमता, अनुभव और ज्ञान का उपयोग करते हुए मरीज को बचाने का प्रयास करता है। लेकिन यदि परिणाम अनुकूल नहीं आता, तो वही डॉक्टर अचानक लापरवाह, लुटेरा या अव्यय घोषित कर दिया जाता है।

क्या यह किसी अन्य पेशे में देखने को मिलता है? क्या किसी वकील के केस हारने पर उसके साथ हिंसा होती है? क्या किसी इंजीनियर की गलती पर

भीड़ अस्पताल जैसी प्रतिक्रिया देती है?

हाल ही में एक ब्यूटी क्वीन ने अपने इंटरव्यू में कहा कि भारत में डॉक्टर होना आसान नहीं है - लंबे काम करने के घंटे, अत्यधिक तनाव, सीमित संसाधन और उसके बावजूद बहुत अधिक अपेक्षाएँ।

पूरी कोशिश करने के बाद भी यदि परिणाम अनुकूल न हो, तो दोष अवसर डॉक्टर पर ही आ जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अभी कई वर्षों तक कठिन पढ़ाई करनी होगी, मुश्किल से लोन मिलेगा, और उसके बाद यदि वे नर्सिंग होम खोलती हैं तो उन्हें प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मरीज के न बच पाने की स्थिति में तोड़फोड़, दबाव और पुलिस तक की नौबत आ सकती है।

इसके विपरीत, एक ब्यूटी कॉन्सेन्ट जीतने के बाद टुरंत करोड़ों के असाइनमेंट और एंडोसमेंट के अवसर मिलते हैं, और जहाँ भी जाएँ, वीआइपी ट्रीटमेंट मिलता है।

यह विडम्बना है कि जो पेशा जीवन बचाता है, उन्हें न सम्मान मिलता है, न सुरक्षा - और जो पेशा केवल मनोरंजन से जुड़ा है, उन्हें विशेषाधिकार मिलते हैं।

समाज की यह विडम्बना और स्पष्ट तब होती है जब हम देखते हैं कि कई ऐसे लोग, जिनकी गतिविधियाँ सीधे तौर पर जगह-ठेके खिलाफ हैं, समाज में सम्मान प्राप्त करते हैं।

खराब सड़कों का निर्माण करने वाले ठेकेदार, शराब के डेके चलाते वाले व्यापारी, बड़े धोखे करने वाले नेता - ये सभी समाज में प्रभावशाली और सम्मानित बने रहते हैं। लोग उनके साथ फोटो खिंचवाकर गर्व महसूस करते हैं। लेकिन जो डॉक्टर दिन-रात लोगों की जान बचाने में लगा है, उन्हें अपमानित करने में कोई संकोच नहीं होता।

जब जिम्मेदारी तय करने की बात आती है, तब भी समाज का दृष्टिकोण असंतुलित दिखाई देता है।

शराब और तम्बाकू के सेवन से शरीर को नुकसान पहुँचाने वाला व्यक्ति जब अस्पताल पहुँचता है और स्थिति गंभीर हो जाती है, तो गुस्सा डॉक्टर पर निकलता है - न कि उन कारणों पर जो बीमारी की जड़ में थे।

खराब सड़क के कारण हुई दुर्घटना में घायल व्यक्ति को मृत्यु होने पर भी दोष डॉक्टर की लापरवाही पर डाल दिया जाता है, न कि उस प्रणाली पर जिसने दुर्घटना को जन्म दिया।

आज के समय में यह कहना बहुत आसान हो गया है -

डॉक्टर ने मरीज मार दिया। यह कथन न केवल तथ्यहीन है,

चिकित्सक : वर्षों की तपस्या, भारी निवेश और समाज की विडम्बना

बल्कि यह उस पेशे के प्रति गहरी असंवेदनशीलता को दर्शाता है, जो पूरी तरह सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी पर आधारित है।

वास्तविकता यह है कि डॉक्टर हर दिन ऐसे निर्णय लेता है, जहाँ एक छोटा सा अंतर जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकता है।

उनके सामने आने वाला हर केस अलग होता है, हर मरीज की स्थिति अलग होती है, और हर निर्णय में जोखिम होता है।

इसके बावजूद, डॉक्टर को हर समय यह भय रहता है कि कहीं कोई आरोप न लगा जाए, भीड़ इकट्ठी न हो जाए, या हिंसा का सामना न करना पड़े।

क्योंकि जो मरीज ठीक हो जाता है, वह सार्वजनिक रूप से डॉक्टर की सरहाना नहीं करता। लेकिन यदि कोई घटना नकारात्मक हो जाए, तो वह धुंते चर्चा और आलोचना का विषय बन जाता है।

यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चिकित्सा केवल विज्ञान नहीं है - यह विश्वास पर आधारित प्रणाली है।

जहाँ विश्वास समाप्त होता है, वहाँ उपचार की प्रभावशीलता भी प्रभावित होती है।

डॉक्टर बिना किसी भेदभाव - जाति, धर्म, भाषा या आर्थिक स्थिति - के हर मरीज का इलाज करता है। वह उन परिस्थितियों में भी सेवा करता है, जहाँ कई बार मरीज के अपने परिवार भी आगे आने से कतराते हैं।

डॉक्टर और नर्स बिना किसी दिखावे के दिन-रात सेवा में लगे रहते हैं। यही उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदनशीलता है।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि चिकित्सा क्षेत्र पूरी तरह निर्दोष नहीं है।

समय-समय पर मेडिकल इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा कुछ अस्पतालों और डॉक्टरों को ब्लैकलिस्ट किया जाता है। यह दर्शाता है कि पेशे के भीतर भी सुधार की आवश्यकता है।

कई अस्पतालों में आर्थिक दबाव के कारण डॉक्टरों पर टारगेट थोपे जाते हैं। इन टारगेट्स को पूरा करने के लिए अनावश्यक जांचें, दवाइयाँ और सर्जरी की जाती हैं, जिससे जनता का विश्वास कमजोर होता है। फलस्वरूप मरीज का शरीर खराब होता है और परिवार हर तरीके से बर्बाद हो जाता है।

इसलिए यह समस्या एक तरफ नहीं है - यह दोतरफा जिम्मेदारी का विषय है। समाज को डॉक्टरों के प्रति सम्मान और विश्वास बनाए रखना होगा, और डॉक्टरों तथा अस्पतालों को अपनी नैतिकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी।

लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज को यह समझना होगा कि -

एक डॉक्टर केवल सेवा देने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह वर्षों की कठोर मेहनत, त्याग और भारी निवेश का परिणाम है।

यदि हम आज भी डॉक्टर के ज्ञान और समय को मुफ्त सेवा समझते रहेंगे, तो आने वाले समय में योग्य और प्रतिभाशाली युवा इस पेशे से दूर होने लगेंगे।

और जब समाज को सबसे अधिक आवश्यकता होगी, तब योग्य डॉक्टरों की कमी एक गंभीर संकट का रूप ले सकती है।

अंततः, किसी भी समाज की मजबूती उसके मूल स्तंभों पर निर्भर करती है।

गुरु और चिकित्सक - ये दोनों ही समाज के ऐसे स्तंभ हैं, जो संकट के समय दिशा और जीवन दोनों प्रदान करते हैं।

यदि इन दोनों का सम्मान कम होता है, तो समाज का संतुलन भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।

जापान में कई दुकानों और

संस्थानों पर स्पष्ट रूप से लिखा होता है कि शिक्षकों और चिकित्सकों को विशेष छूट दी जाती है। यह केवल आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि उनके प्रति समाज के वास्तविक सम्मान का प्रतीक है, जहाँ ज्ञान देने और जीवन बचाने वालों को व्यवहार में प्राथमिकता दी जाती है। इसके विपरीत, भारत में हम भले ही डॉक्टरों और शिक्षकों को शब्दों में भगवान का दर्जा देते हैं, लेकिन व्यवहार में उनके समय, ज्ञान और योगदान का उचित मूल्य नहीं समझते। यह अंतर हमारी सामाजिक सोच को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि हमें भी सम्मान को केवल कहने तक सीमित न रखकर उसे अपने व्यवहार में उतारना सीखना होगा।

डॉक्टर और पुलिस हमेशा आपातकालीन नाइट ड्यूटी पर उपलब्ध रहते हैं, और देर रात किसी दुर्घटना के होने पर सबसे पहले डॉक्टर को फोन करके भगवाया जाता है। पता नहीं, डॉक्टर कितनी रातें ठीक से सो पाते होंगे।

इसलिए यह समय है कि हम अपनी सोच में बदलाव लाएँ -

डॉक्टर को केवल भावाना का रूप कहने के बजाय, उन्हें एक सम्मानित, प्रशिक्षित और मूल्यवान पेशेवर के रूप में स्वीकार करें।

क्योंकि सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से प्रकट होता है।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

महानिदेशक, इम्पीरियल चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

नया सवेरा



सुनीता चावला

जब लालिमा छिप जाती है, और शाम ढलने लगती है...! तब मत समझना हार हुई, एक नई आस जगती है...!!

सूर्यास्त तो बस एक पर्दा है, जो रात की गोद में सोता है...! पर याद रहे हर रात के बाद, फिर सूर्योदय ही होता है...!!

-सुनीता चावला, शिक्षक।

वह सूरज को रोक नहीं पाता...! थककर जो सो जाता है आज, कल फिर चमकने आता है...!!

हार - जीत के इस द्वंद में, डर मत हिम्मत मत हार...! देखना सूर्यास्त के बाद, फिर एक नया सवेरा आता है...!!

-सुनीता चावला, शिक्षक।

तापमान 43 डिग्री तक पहुंचने के आसार

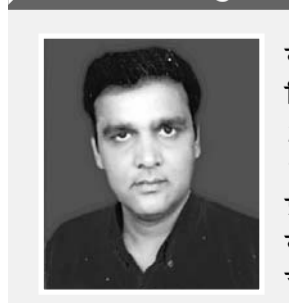
बीकानेर, (निसं)। शहर में गर्मी ने अब तेवर दिखाते शुरू कर दिए हैं। बीते 24 घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बीकानेर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य

से 1.9 डिग्री ज्यादा है। वहीं बीती रात न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है।

उधर, गर्मी के कारण बीकानेर के अधिकांश तालाब सूखकर मैदान बन गए हैं। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अब शहर में हीटवेव का दौर शुरू

हो सकता है। आने वाले दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही बना रहेगा। खासतौर पर 23 अप्रैल को पारा 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है। इसके बाद हल्की रिपारट हो सकती है, लेकिन तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने के आसार नहीं हैं।

राशिफल बुधवार 22 अप्रैल, 2026



पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2083, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 10:13 तक, अतिगंड योग प्रातः 9:08 तक, कौलव करण दिन 12:05 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरु-मिथुन, शुक-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज रवियोग रात्रि 10:13 तक है। कुमार योग रात्रि 10:13 से रात्रि 10:50 तक है। आज चन्दन छूट है। श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:49 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:00, सूर्यास्त 6:50

मेघ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिवारों के सहयोग से चल रही परेशानियाँ दूर होने लगेगी। अटक हुए कार्य बने लगे।

वृष
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बने लगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त नही रहेंगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुमता से बने लगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बने लगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ संदेशों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बने कार्य बिगड़ सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मानसिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्स

सार-समाचार

स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया

जालोर, (कासं)। जिले में बढ़ती गर्मी एवं लू-तापघात की संभावित परिस्थितियों के मद्देनजर उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वीरेंद्र हमथानी द्वारा बागरा, जसवंतरपुर, पावटी चांदूर एवं बूनांव स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डिटी सीएमएचओ डॉ. हमथानी ने निर्देशित किया कि लू-तापघात प्रभावित मरीजों के लिए पृथक बेड आरक्षित रहे जाएं तथा आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों एवं चिकित्सा सामग्री की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आईटी प्लग्ड, शीतल पेयजल, कुलिंग व्यवस्थाएं एवं प्राथमिक उपचार संसाधन पूर्ण रूप से क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने चिकित्सा कार्मिकों को हॉट स्ट्रोक के लक्षणों की शीघ्र पहचान कर तत्काल उपचार प्रारंभ करने एवं गंभीर मरीजों को समयबद्ध तरीके से उच्च संस्थान पर रेफर करने हेतु विशेष रूप से निर्देशित किया। प्रतिदिन पोर्टल पर रिपोर्टिंग के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एनटीईपी, एनसीडी, एनबीडीसीपी समेत अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के रिकॉर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कार्मिकों को रिकॉर्ड संधारण अद्यतन, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी रखने के निर्देश देते हुए कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। डॉ. हमथानी ने स्वास्थ्य कार्मिकों को लू-तापघात से संबंधित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं जनजागरूकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक अभिमन्यु सिंह, लैब तकनीशियन कृष्णपाल समेत कई जून मौजूद रहे।

मुंबई से समदई दैनिक ट्रेन की मांग

भीनमाल, (निःसं)। उत्तर पश्चिम रेल विभाग के जोधपुर रेल मंडल अंतर्गत समदई भीलडी रेल लाइन को ब्रॉडगज में परिवर्तित हुए पंद्रह वर्ष से ऊपर हो गए लेकिन मुंबई से इस मार्ग की एक भी दैनिक यात्री गाडी अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। जबकि इस लाइन से जुड़े जालौर, बाडमेर और बनसकांठा जिले के बडी संख्या में प्रवासी गुजरत और महाराष्ट्र में निवास करते है। समदई भीलडी रेल विकास समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल खंडेलवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र प्रेषित कर मुंबई से भीलडी होकर समदडी तक की एक दैनिक यात्री गाडी शुरू करने की मांग की। तम में बताया गया है कि इस लाइन पर बसे जालौर जिले के रानीवाडा, मारवाड भीनमाल, मोदरान, जालौर आदि स्टेशनों के लाखां की संख्या में प्रवासी महाराष्ट्र और गुजरात में बसते है लेकिन यात्री सुविधाओं के नाम पर सप्ताह में मात्र दो दिन भगत की कोठी और दादर के बीच एक ट्रेन संचालित हो रही है। एक ट्रेन श्रीगंगानगर दादर के बीच सप्ताह में दो दिन इस मार्ग से होकर गुजरती है लेकिन इस ट्रेन का लाभ अधिकोशत: जोधपुर, नागौर, बीकानेर , श्रीगंगानगर क्षेत्र के यात्रियों को ही मिल पाता है। जालौर जिले के स्टेशनों के यात्रियों को वेंटीन डि मिलती है जो सामान्य: कन्फर्म नहीं हो पाते। जबकि रोजना हजारों की संख्या में प्रवासियों का आवागमन होता है।

परिड़ों में जल भरने का संकल्प लिया

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के निकट नारणावास में रूप सिंह राठीड कि ओर से चलाए जा रहे परिडे लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान के तहत मंगलवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवला में मिट्टी के परिडे लगाए गए। विद्यालय प्रांगण में पेड़ पर परिडा टांगकर उसमें पानी भरा गया। इस दौरान विद्यार्थी व शिक्षक ने परिड़ों में परिंदो के लिए नियमित पानी भरने का संकल्प लिया। रूप सिंह राठीडे ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही जीव-दया और पर्यावरण संरक्षण के संस्कार डालना है। जब बच्चे खुद परिडे में पानी भरेतो तो उनमें बेजुबानों के प्रति संवेदना विकसित होगी।गौरतलब है कि राठीडे यह अभियान पिछले 10 वर्षो से चला रहे हैं। इसके तहत हर साल 1०0 नि:शुल्क परिडे वितरित किए जाते हैं। अब तक 532 परिडे विभिन्न गांवों में लगाए जा चुके हैं। विद्यालय स्टाफ के रूप सिंह राठीडे के इस प्रयास की सराहना की और अन्य स्कूलों की भी अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर मधुबदन दवे रघुनाथ बिऱ्सेनई महेंद्र गंग रामेश्वर जाट आरती मीणा खेलन्ता मीणा व विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसी प्रकार धवला गांव मे भी रूप सिंह राठीड द्वारा चलाए जा रहे परिडे लगाओ पक्षी बचाओ के तहत रूप सिंह धवला, उगम सिंह, गोपाल सिंह आदि ने भी विभिन्न जगहों पर परिडे लगाए।

बालिका विद्यालय भवन का भूमि पूजन

भीनमाल, (निःसं)। भीनमाल शहर के धोराढाल में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भामाशाह भगवत दत्त शर्मा द्वारा अपने माता पिता सीतादेवी व स्वर्गीय सुंदरलाल जी शर्मा की पुण्य स्मृति में बालिकाओं के लिए दो मंजिला नवीन विद्यालय भवन एवं भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण का शुभारंभ अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन कर किया गया। इस मौके आयोजित कार्यक्रम में भामाशाह भगवत दत्त शर्मा अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अक्षक शिक्षा अधिकारी गजेंद्र देवासी और मोहल्लेवासियों द्वारा इस ऐतिहासिक कार्य के लिए भामाशाह परिवार और प्रेरक जयश्री त्रिवेदी का सम्मान आभार व्यक्त करते हुए इसे समाज में शिक्षा के भेदास में एक सराहनीय पहल बताया। प्राचार्य मनोज दवे ने बताया कि भामाशाह द्वारा लभघण सवा दो करोड रुपए की लागत से विद्यालय के नए भवन एवं प्रवेश द्वार के निर्माण कार्य में क्षेत्र की बालिकाओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस कार्यक्रम में प्राचार्य जगदीश कुमार, लादूराम बिऱ्सेनई, नारायण सिंह राव, समाजसेवी ओमप्रकाश खेतावत, एडवोकेट गोपाल नागर, एडवोकेट निरंजन व्यास, मनोज गुप्ता, महेन्द्र सोलंकी, बाबूलाल सहित कई मोहल्लेवासी व विद्यालय का स्टाफ दर्जनों विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहा।

बार काउंसिल के चुनाव आज

जालोर, (कासं) बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक होंगे। जालोर में मतदान की लेकर अतिरिक्त चुनाव अधिकारी रमेश सोलंकी ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। चुनाव में नियुक्त पर्यवेक्षक जालोर उपाखण्ड अधिकारी मनोज कुमार ने चुनाव की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त चुनाव अधिकारी रमेश सोलंकी से चर्चा की। तथा मतदान केन्द्र का निरीक्षण करते समय न्यायालय द्वारा नियुक्त भुविश व्यास प्रोटोकॉल अधिकारी, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष खसाराम परिहार, उपाध्यक्ष अशोक माली, प्रवीण चौहान, गोकुलराम, पदमविश, अनिल पंडेत, सुरेन्द्र चौहान एवं अन्य अधिकृतानण उपस्थित थे। पर्यवेक्षक ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह चुनाव महत्वपूर्ण है। इसमें सभी अधिकवक्ता भाग लेकर अपने मत का उपयोग करें। अतिरिक्त चुनाव अधिकारी रमेश सोलंकी ने बताया की जालोर अभिभाषक संघ में 448 अधिकवक्ता मतदाता है। तथा चुनाव से संबंधित तैयारियों के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी। पर्यवेक्षक सम्पूर्ण तैयारियों का अवलोकन किया तथा संतोष जाहिर किया तथा कहा की गर्मी को देखते हुये छाया व पानी की भी व्यवस्था की जाये तथा सुरक्षा को लेकर जरूरी निर्देश दिया।

एम. डी. चोपदार का मनाया जन्मदिन

जालोर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार के जन्मदिन पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष जाकिर खान रंगेज न्की अध्यक्षता में विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन हुआ। जालोर शहर के राजीव गांधी भवन में कार्यालय में केक काटकर जन्मदिन मनाने के साथ-साथ गौशाला में गायों को हरा चारा एवं गुड खिलाया गया। इसके अलावा दारुल उलूम मदरसा वाडिया में बच्चों को तालीमी किताबें और मिठाइयां वितरित कर साप्ताहिक संस्कार का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जुल्फिकार अली भुट्टो, पार्षद लक्ष्मण सिंह साखला, पार्षद दिनेश कुमार, एडवोकेट रजब खान खोबर, जावेद, हनीफ खान, आमीन मोयला, रईस खान लुहार, राजा खान मोयला सहित बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नेताओं ने कहा कि समाज सेवा और जनहित के कार्यों के माध्यम से ही संपंढत को मनबूढ किया जा सकता है तथा ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचारा और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है।

तेजा की बेरी से आठ जायरीन रवाना

सायला, (निःसं)। सायला उपखंड क्षेत्र के ग्राम तेजा की बेरी से इस वर्ष आठ जायरीनो का जत्था मक्का-मदीना की मुकद्दस हज यात्रा के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में हाजी खमीश खान व हज्जन मिसरों बानो, हाजी शकूर खान व हज्जन धरूप नानो, हाजी उमर खान व हज्जन तजु बानो तथा हाजी रमान खान व हज्जु नबी बानु शमिल रहे। हज्जरीन की रवानगी के अवसर पर सिंधी युवा सेवा समिति और विभिन्न गांवों से आए ग्रामीणों ने उनका भव्य इस्तकबाल किया।

फ्लैट में चल रहा अवैध हुक्का बार, संचालनकर्ता गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट चौखा क्षेत्र में स्थित एक आवासीय कॉम्प्लेक्स में किराए के एक फ्लैट में चल रहे अवैध हुक्का बार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने अहिहत आंगन में दबिश देकर भारी मात्रा में हुक्के और अलग-अलग तरह के तंबाकू फ्लेवर बरामद किए हैं।

इस कार्रवाई में एक चौकाने वाला खुलासा यह भी हुआ कि पकड़ में आया आरोपी न केवल उस फ्लैट में आने वाले लोगों को हुक्का पिलाता था, बल्कि ऑर्डर मिलने पर पूरे शहर में इसकी होम डिलीवरी भी करता था।

डीसीपी (पश्चिम) कमल शेखावत ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार देर रात को मुखबिर से सूचना मिली कि चौखा इलाके में स्थित अहिहत आंगन आवासीय परिसर के एक फ्लैट में अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा है। पुर्खा सूचना के आधार पर एसीपी (पश्चिम) रविन्द्र बोथरा के सुपरविजन और राजीव गांधी नगर थानाधिकारी रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया।

मौके पर 20 हुक्के व 29 फ्लेवर बरामद किए

थानाधिकारी रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि घटनास्थल से भारी मात्रा में हुक्का बार की सामग्री जब्त की है। इनमें कुल 9 बड़े हुक्के और 11 छोटे हुक्कों सहित 2० हुक्के बरामद किए। इसके साथ ही अलग-अलग प्रकार के 29 तंबाकू फ्लेवर और हुक्का बार में प्रयुक्त होने वाला अन्य साजो-सामान भी जब्त किया गया। पुलिस ने इन सभी सामग्रियों को कब्जे में लेकर एफआईआर दर्ज की है।

आरोपी संचालक दिल्ली का शातिर

मौके से पुलिस ने हुक्का बार संचालित करने वाले मुख्य आरोपी को

जालोर रोटरी क्लब का 32 वां चार्टर डे मनाया

जालोर, (कासं)। रोटरी क्लब जालोर की ओर से क्लब का 32 वां चार्टर-डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।सभी 32 अध्यक्षों के द्वारा क्लब सदस्यों के साथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संयुक्त रूप से दीप जलाकर एवं केक काटकर विश्वशांति के लिए प्रार्थना की।

रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पवन ओझा ने बताया कि इस अवसर पर उपस्थित पूर्व प्रंतपाल रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3055वीं. मोहन पातराय ने कहा कि मानवता की सेवा ही रोटरी का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने क्लब में नए युवाओं को जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को आगे लाने होगा रोटरी जैसे संगठन के माध्यम से काम करने से सम्मानजनक जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है।इस

प्रजापत समाज ने बंदोली निकाली

पाली, (निःसं.)।प्रजापत समाज मंदिर की वार्षिक वर्षगांठ को लेकर सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इसी स्मृति में श्याम 4 बच्चे पानी की दो टंकी क्रम में रामदेव मंदिर से बैड बाजा, हाथी घोड़ा के साथ सिर पर सैकड़ों महिला कलश उठाए हुए चली। शोभा यात्रा बंदोली में आए 11 युवक घोड़े पर उसके बाद हाथी पर लाभार्थी परिवार , उसके बाद बैड बाजा पर नृत्य करती महिलाएं, घोड़े पर एक ही ड्रेस में सवार 21 दुल्हे व गौती की महिलाएं, उनके पीछे रथ पर बैठी सजी-धजी दुल्हनें झांकियां ट्रैक्टर में बैठी महिलाएं बंदोली में साथ थीं। मंदिर से रवाना होकर यह शोभायात्रा सूरजगल चौराहा, टाउन हॉल कलेक्ट से कॉलेज रोड नहर पुलिया होते हुए प्रजापत समाज भवन पहुंची। जहां पर दुल्हा दुलहन का स्वागत के बाद मिलनी पडला का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष विनयलाल गुजेल, प्रवक्ता मुकेश, विजय राव सहित प्रजापत समाज की पूरी टीम और कार्यकर्ता सह सहयोग रहा। इसके बाद सभी समाज बंधुओं का भोजन कार्यक्रम के बाद रात्रि में बोलियां भजन संस्था और देर रात फेरों का कार्यक्रम हुआ। कल दूसरे दिन विदाई व सम्मान समारोह होगा।

महोत्सव के दूसरे दिन सवेरे 9.30 बजे मंदिर प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें विभिन्न समाजों के लोग पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सज-धज कर सम्मिलित हुए। शोभायात्रा मुख्य बस स्टैंड, आम चौड़ाट और गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरी, जहां ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा के अग्रभाग में सुसज्जित हाथी, ऊंट और घोड़ों पर सवार लाभार्थी परिवार के सदस्य हाथों में धर्म ध्वजा लिएअयोध कर रहे थे। जिसके पीछे बैड पार्टी और नायिक ढोल की थाप पर युवा गुलाल

266 वीं रैंक पाकर आरएएस बनी दिक्षिता, लोगों में खुशी

जालोर, (कासं)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा 2024 में उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर जालोर निवासी दिक्षिता वैष्णव ने शानदार सफलता प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित मित्रगण और सम्पूर्ण जालोर में हर्ष और गर्व का माहौल है।

दिक्षिता की शैक्षणिक यात्रा शुरू से ही उत्कृष्ट रही है। 10 वीं व 12वीं में मेरिट के साथ उच्च अंक प्राप्त कर उन्होंने कई पुरस्कार हासिल किए, साथ ही अपनी पढ़ाई के दौरान भी अनेक सम्मान प्राप्त किए। उन्होंने आरएएस में 266 की उच्च रैंक के साथ यह चयन अपने दूसरे प्रयास में हासिल किया, जो उनकी अनवरत मेहनत, लगन और गुरुजन के मार्गदर्शन का परिणाम है। दिक्षिता के पिता दिनेश वैष्णव शिक्षक हैं और माता श्रीमती ललिता वैष्णव उप प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं । माता-पिता के मार्गदर्शन और प्रेरणा से दिक्षिता ने सफलता का यह परचम

लहराया है। विशेष रूप से उनके पिता की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने दिक्षिता को इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिक्षिता ने अपने अध्ययनकाल में ही प्रशासनिक सेवाओं में जाने का निश्चय कर लिया था। उसके निश्चय के साथ माता पिता और छोटी बहन जिससा सदैव खडे रहे और आगे बढ़ने हेतु निरंतर प्रेरित करते रहे। राजस्थान वि्वत एवं लेखा सेवा के अधिकारी एवं पारिवारिक मित्र दशरथ कुमार सोलंकी एवं आर्मी स्कूल के प्रधानाचार्य रामधन वैष्णव ने दिक्षिता को समय समय पर मार्गदर्शन किया। दिक्षिता प्रशासनिक सेवा के और उच्च पाददान प्राप्त करने के लिए कृतसंकल्प है और परिजनों की प्रेरणा भी इस के लिए बनी रहती है । सफलता से जालोर का गर्व बढ़ा है और समाज के अनेक लोगों तथा मित्रों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

वही दिक्षिता वैष्णव का आरएएस परीक्षा में 266 वी रैंक प्राप्त करने पर

पकड़कर पूछताछ की तो पता चला कि यह पश्चिम दिल्ली के सुदर्शन पार्क, रमेश नगर निवासी मोहम्मद जैद पुत्र मोहम्मद नसीम है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर गहनता से ख़ानबनी की, तो उसने बताया कि वह इस फ्लैट में आने वाले ठाहकों को हुक्का पिलाने का काम करता था। इसके अलावा, वह फोन पर ऑर्डर लेकर जोधपुर शहर के अलग-अलग इलाकों में फ्लेवर्ड तंबाकू हुक्के की होम डिलीवरी भी करता था।

पुलिस टीम में एसएसआई सिंह के साथ हैड कांस्टेबल सवाई सिंह, कांस्टेबल विरेन्द्र सिंह, महिपाल, महिला कांस्टेबल सरोज बाला और कांस्टेबल दिनेश सोढा भी शामिल रहे।

एक के हाथ से पर्स झपटा, दूसरी से मोबाइल ले गए

जोधपुर कमिश्नरेट में बैग, पर्स और मोबाइल लुट्टरों फिर से सक्रिय हो गए हैं। कमिश्नरेट के प्रतापनगर सदर और सरदारपुरा थाना क्षेत्र में पर्स और मोबाइल लुट की दो वारदातें हुई हैं।

सामूहिक वर्षीतप का पारणा- महोत्सव संपन्न

जोधपुर, (कासं)। देश भर और शहर से आए श्रद्धालुओं के बीच कालाना रोड स्थित प्रसिद्ध साधना स्थली संबोधि धाम के पास मंगलम निकुंज में अक्षय तृतीया पर सामूहिक वर्षीतप पारणा का विराट महोत्सव का आयोजन हुआ।

राष्ट्रस्तं महोषायान्य ललितप्रभ सागर, राष्ट्रस्तं पू्य चन्द्रप्रभ सागर एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज साहब और साध्वी कीर्ति प्रभा महाराज आदि

साधु-साध्वियों के सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव में सर्वप्रथम अग्रपद मंदिर में विराजमान आदिनाथ भगवान की दिव्य प्रतिमा का अड्डरह अभिषेक महापूजन किया गया । प्रकाशचंद्र, अशोककुमार दपत्तरी परिवार ने मंदिर का वार्षिक ध्वजारोहण संपन्न किया। वर्षीतप आराधकों के सम्मान में संबोधि धाम से विराट वरघोड़ा का आयोजन हुआ।

चामुंडा माता व बाबा रामदेव के जयकारे गूंजे

उदाते हुए नाचते-गाते चल रहे थे। साथ ही पारंपरिक परिधानों में सजी छोटी-छोटी बालिकाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर मंगल गान कर रही थीं तथा सुसज्जित रथों पर विराजमान साधु-साधन्या श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान कर रहे थे। शोभायात्रा में गेर नृत्य, कच्ची घोड़ी, मिर्की माउस और कलात्मक रथ आकर्षण के केंद्र रहे। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। और को देखते हुए स्थानीय सड़कों भी गंवां हो गये।

महोत्सव का समापन शुक्रवार को मुख्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ होगा। संतों के सान्निध्य में नवनिर्मित मंदिरों के गर्भगृह में मूर्तियों की स्थापना होगी। मंदिर के शिखर पर दंड व कलश स्थापना के साथ ध्वजारोहण संपन्न होगा। मंदिर कमेटी आयोजन की

तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है।

सूरदास जयंती मनाई

जालोर, (कासं)। दिव्यांग हिलार्थ कार्य करने वाले संगठन समदईविष्ट, क्षमता विकास एवं अनुसंधान मण्डल सक्षम की ओर से मंगलवार को संगठन के संरक्षक एवं पूर्व निशक्तजन आयुक्त धनाराम पुरोहित के आतिथ्य में महावीर आवासीय मूक बधिर विद्यालय जालोर में सूरदास जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संत सूरदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

पूर्व निशक्तजन आयुक्त धनाराम पुरोहित ने साहित्य के क्षेत्र में संत सूरदास की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए दिव्यांगों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। अध्यक्ष मनीष कुमार, दिव्यांग क्षेत्र में कार्य कर रहे कानाराम भाद्रुद्वज, सक्षम के प्रचार प्रमुख नितेश परमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन संस्था के उपाध्यक्ष डॉ पवन ओझा द्वारा किया गया।

सार-समाचार

संभाग स्तरीय योगा प्रतियोगिता शुरू

पाली, (निःसं.)। शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के अधीन एवं नवोदय विद्यालय समिति के तत्वावधान में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, जोधानर में 21 से 23 अप्रैल तक आयोजित संभाग स्तरीय योगा प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को विद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोजत सीबीईओ दलपत सिंह सांखला उपस्थित रहे। साथ ही प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय देवगढ विजयेन्द्र नागदा , डॉ. कुलदीप सिंह देवडा सुमेरपुर, डॉ. विक्रम सिंह जोधावर, व्याख्याता भीम सिंह फालका, जैतारण एवं विचित्र सिंह फार्मा असिस्टेंट, जोधावर ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।विद्यालय के प्राचार्य डी.सी. गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। स्वागत गान के पश्चात प्राचार्य गुप्ता ने सभी अतिथियों का शिरोपाच व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल भावना से खेलने तथा अनुशासन बनाए रखने का संदेश दिया और जयपुर, करनाल एवं उदयपुर क्लस्टर का परिचय भी प्रस्तुत किया। प्रतियोगता में कुल 1०6 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान संगीत शिक्षिका विधि शर्मा एवं छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने आयोजन को आकर्षक बना दिया। प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय देवगढ विजयेन्द्र नागदा ने नवोदय में अपने 15 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर जायण हेतु शुभकामनाएं दीं और खेलों को शिक्षा का अभिन्न अंग बताया। सीबीईओ दलपत सिंह सांखला ने राजस्थान शिक्षा विभाग की ओर से सभी का स्वागत करते हुए कहा कि खेल नैतिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने सभी को योग को जीवन का हिस्सा बनाने का आ आन किया और प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षिका इंदु चाहर के निर्देशन में छात्र विनय प्रताप ने सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षक मोहनलाल बेड़ा द्वारा किया गया।

बार काउंसिल के चुनाव की तैयारी पूरी

जोधपुर, (कासं)। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के वर्ष 2026 के चुनाव 22 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन जोधपुर द्वारा हेरिटेज उच्च न्यायालय परिसर में बूथ संख्या 162 पर मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई जा चुकी। चुनाव को सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिकवक्ताओं के साथ जिला न्यायाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध कराए गए कार्मिक अधिकारी तथा जिला कलेक्टर जालौर और ओर से मंत्रालयिक कर्मचारी एवं सहायक स्टाफ की सेवाएं लगाई गईं हैं। अतिरिक्त चुनाव अधिकारी डॉ. विजय चौधरी ने बताया कि हेरिटेज परिसर में कुल कुल मतदान बूथ स्थापित किए गए हैं। मतदान का समय सुबह आठ से सायं पांच बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि बूथ संख्या 1 पर वोटर लिस्ट पेज नंबर 1 से 129 तक इलेक्टोरल नंबर 81 से 34783 के 1289 मतदाता मतदान करेंगे। बूथ संख्या 2 पर पेज नंबर 130 से 339 तक इलेक्टोरल नंबर 34862 से 75506 के 2099 मतदाता अपने मतार्थिकार का प्रयोग करेंगे। बूथ संख्या 3 पर पेज नंबर 340 से 548 तक इलेक्टोरल नंबर 75566 से 113289 के 2198 मतदाता मतदान करेंगे, जबकि बूथ संख्या 4 पर पेज नंबर 549 से 769 तक इलेटोरल नंबर 113290 से 136490 के 2262 मतदाता मतदान करेंगे। डॉ. चौधरी ने स्पष्ट किया कि केवल वही अधिकवक्ता मतदान कर सकेंगे जिनके नाम अधिकृत मतदाता सूची में दर्ज हैं। मतदान के दौरान अधिकवक्ताओं को पहचान के लिए बार काउंसिल द्वारा जारी परिषद पत्र या अन्य वैध फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। चुनाव समिति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर ही मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा।

जनगणना के लिए प्रशिक्षण प्रारम्भ

जोधपुर, (कासं)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अर्थात मकान सूचीकरण एवं मकान गणना हेतु जिले के 72 फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। जनगणना 2027 के अन्तर्गत फिल्ड ट्रेनस के प्रथम चैच का प्रशिक्षण कार्यक्रम पॉलिटैक्निक कॉलेज परिसर में प्रारम्भ हुआ, जिसमें चार्ज क्षेत्र तिवरी, शेरगढ, सेखाळा, पीपाड़ा, ओसियां, लूणी, कुडी व झ्वर के फिल्ड ट्रेनर्स भरा ले रहे हैं। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में जनगणना का परिचय व कानूनी पहलू व प्रणणक एवं पर्यवेक्षको को प्रशिक्षण की विधि की जानकारी दी गयी तथा साथ ही एचएलबी सीमाओं की जो औ टैगिंग एवंम मार्गचित्र की तैयारी व नजरी नक्शा तैयार करने की विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध करवाई गई। प्रशिक्षण के दूसरे दिवस में एचएलओ ऐप पर प्रस्न 1 से 34 की प्रणणक एवं पर्यवेक्षकों को समझाने की विधि एवं प्राणक द्वारा उत्तर भरने की विधि तक पर्यवेक्षक द्वारा डेटा स्वल्पना को समझाया गया। एक मई से 15 मई 2027 को होने वाली स्वल्पना में प्रशिक्षण एवंम पर्यवेक्षकों की भूमिका के बारे में अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर करण यादव जनगणना कार्यलय निदेशालय से रामलाल व्याख्याता द्वारा दी गयी। प्रशिक्षण में मनीश्वी चौधरी संयुक्त निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग जोधपुर मीनाक्षी चौधरी ने अत्यात करिया कि फिल्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर एक मई से 15 मई तक समस्त चार्ज स्तरो पर प्रणणकों एवं सुपरवाइजर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

युवती का पीछा कर छेड़छाड़

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के माता का थान पुलिस थाना क्षेत्र में युवती का पीछा कर तं परेशान करने और अभद्र टिप्पणी का विरोध किए जाने पर उसके पिता आदि पर बदमाश ने तलवार से हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। हमलावर फरार है, जिसकी तलाश जारी है। थानाधिकारी मोहम्मद शफीक ने बताया कि थाना क्षेत्र में आई एक कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी है। उसका आरोप है कि उसकी बेटी को अशोक नाम का शख्स तंग और परेशान करने के साथ अभद्र टिप्पणी करता है। इसकी शिकायत कई बार उसके को देती तब विरोध और ज्यादा उठा होने लगा। 19 अप्रैल को परिवारी और उसका दोस्त क्षेत्र से निकल रहे थे तब आरोपी अशोक तलवार लेकर आया और जानलेवा हमला कर दिया। जिससे परिवारदा की दोस्त घायल हो गया। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। थानाधिकारी मोहम्मद शफीक ने बताया कि आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। नामबद्ध किया गया आरोप बदमाश प्रकृत का है। मामले में अग्रिम जांच की जा रही है।

कार्यालय नगरपालिका, सांचौर जिला-जालौर (राज.)						
(द्विफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanshore.lg@rajasthan.gov.in & eosanshore2010@gmail.com)						
क्रमांक / च.पा.म.सा. / 2026 / भूमि	--: आपत्ति विज्ञप्ति --:					दिनांक - 17.04.2026
क्र. सं.	पत्रावली सं. / दिनांक	प्राथ्मी का नाम /पिता का नाम	मौहल्ला	भूमि का क्षेत्रफल वर्ग गज /वर्ग मी.	नियमन हेतू	प्रयोजनार्थ
1	LD/SNCH/2026-27/354862	श्रीमति कचन देवी पत्नि श्री मोहनलाल बोकरडीया जाति-जैन	महावीर चौक (बोकडीया वार) सांचौर	164.88	69-क	आवासीय
2	LD/SNCH/2026-27/355236	श्रीमति अजुदेवी पत्नि श्री अर्जुनदेव जाति-प्रजापत	मिजली चौक के सामने, माटियों की धागी, सांचौर	209.34	69-क	आवासीय
3	LD/SNCH/2026-27/334950	श्री धर्मराम पुत्र श्री नारायणराज जाति-सुधार	कमालपुर सांचौर ख.न.174	1425.00	69-क	वाणिज्यक
4	LD/SNCH/2023-24/176359	श्री रिकवन्द पुत्र श्री वरदारज मेहता जाति-जैन	शांतिनगर सांचौर	140.52	69-क	आवासीय
5	LD/SNCH/2023-24/176316	श्री गणपत उर्फ रूगनाथपल पुत्र श्री वरदारज मेहता जाति-जैन	शांतिनगर सांचौर	140.52	69-क	आवासीय
6	LD/SNCH/2023-24/176312	श्री मंगीलाल पुत्र श्री वरदारज मेहता जाति-जैन	शांतिनगर सांचौर	142.96	69-क	आवासीय
7	LD/SNCH/2023-24/176320	श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री मंगीलाल मेहता जाति-जैन	शांतिनगर सांचौर	258.57	69-क	आवासीय
8	LD/SNCH/2026-27/356009	श्री बोहरा नंबरलाल पुत्र श्री भूपचंद्र एवं श्रीभति बोहरा दाइबीदेवी पत्नि श्री नंबरलाल जाति-जैन	मोथियों का वार, सांचौर	135.40	69-क	आवासीय
9	LD/SNCH/2026-27/350812	श्री				

अशोक गहलोत से पीछा छुड़ाना चाहता है कांग्रेस आलाकमान : घनश्याम तिवाड़ी

राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने कहा कि "गहलोत के कार्यकाल में तो भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था, वह तो इस मुद्दे पर कुछ ना ही बोलें तो ठीक है। उनके मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे गए हैं।"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि "पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कांग्रेस का आलाकमान पीछा छुड़ाना चाहता है। क्योंकि राजस्थान की जनता से 3 बार उनकी सरकार को हिलाया है। गहलोत के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बना था। पेपरलीक से लेकर जल जीवन मिशन के घोटालों की गुंज पूरे प्रदेश के साथ-साथ देशभर में है। जे.जे.एम. घोटाले में कांग्रेस के मंत्री से लेकर अधिकारी तक जेल की सलाखों के पीछे हैं।"



सांसद घनश्याम तिवाड़ी

■ तिवाड़ी ने कहा कि "प्रदेश में पंचायतीराज संस्थाओं का खाका अशोक गहलोत ने बिगाड़ा था, अब भजनलाल सरकार ओ.बी.सी. वर्ग को चुनाव में उसका अधिकार देगी।"

गहलोत इंतजार शास्त्र की बात तो कर रहे हैं, परंतु सरकार तो तब हिल रही थी, जब उनके उपमुख्यमंत्री अपने विधायकों को लेकर चले गए थे। मल्लिकार्जुन खडगे जब आए थे और विधायकों को मीटिंग बुलाई गई थी, तब भी सरकार हिली थी। राजस्थान

की जनता ने तीन बार अशोक गहलोत की सरकार को हिलाया है। इसीलिए अब कांग्रेस का आलाकमान भी उनसे पीछा छुड़ाना चाहता चाहता है। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि अशोक गहलोत ने आरजीएचएस को लेकर सवाल उठाए हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में भुगतान न होने की वजह से इस योजना की सेवाएं बार-बार बाधित होती थी।

इन्की गलतियों को ठीक करके आरजीएचएस योजना को अच्छे से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध रूप से सवा लाख से ज्यादा नौकरियां दी है और भर्ती कैलेंडर भी जारी किया जा चुका है। वह किस मुँह से बात कर रहे हैं, जबकि उनके कार्यकाल में पेपरलीक हुए थे। घनश्याम तिवाड़ी ने रिफाइनरी को लेकर कहा कि यह दुखद घटना

है, इसकी जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत अपने गिरेबां में झांक कर देखें। पंचायतीराज का खाका इन्होंने ही बिगाड़ा था। अब सरकार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार इस वर्ग को चुनाव में आरक्षण के अधिकार का लाभ देना चाहती है। क्या अशोक गहलोत यह चाहते हैं कि ओबीसी आरक्षण के बिना ही पंचायतीराज चुनाव करा लिए जाएं। तिवाड़ी ने कहा कि जितना भ्रष्टाचार अशोक गहलोत के कार्यकाल में हुआ उसे आज भी जनता याद करती है। जेजेएम घोटाले की चर्चा हर कोई करता है। इन्की डाली हुई पाईप लाइनों से पानी नहीं हवा निकलती है। अशोक गहलोत अपनी वरिष्ठता के अनुसार ही बयानबाजी करें और अपनी राजनीति बचाने के लिए अपने आलाकमान से बातचीत करें।

प्रदेश के हर जिले में स्थापित होंगे 'मेंटल हैल्थ केयर सेल'

जयपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार होगा 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन मेंटल हैल्थ'

■ टेली-मानस के जरिए अब तक 71 हजार से अधिक प्रदेशवासियों को मिला परामर्श

जयपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर शुरू किए गए "राज-ममता" (राजस्थान मेंटल अवेयरनेस, मॉनिटरिंग एंड ट्रीटमेंट फोर शॉल्ड) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा नेशनल टेली मेंटल हैल्थ प्रोग्राम 'टेली मानस' का भी प्रदेशभर में प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

भजनलाल सरकार की इस पहल से राजस्थान मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देश के एक 'मॉडल राज्य' के रूप में उभरने की ओर कदम बढ़ाएगा। जयपुर में 'सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन मेंटल हैल्थ' की स्थापना की जा रही है। यहां अत्याधुनिक काउंसलिंग और

टेली-मेडिसिन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों को भी विशेषज्ञों की सलाह मिल सकेगी। साथ ही, प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 'मेंटल हेल्थ केयर सेल' स्थापित किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को अपने ही जिले में विशेषज्ञ परामर्श, पुनर्वास और उपचार सुलभ हो सके। मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे लोगों को तुरंत सहायता के लिए

संचालित 'टेली-मानस' (14416 और 18008914416) कार्यक्रम राजस्थान में अत्यंत सफल साबित हो रहा है। अब तक प्रदेश में कुल 71 हजार से अधिक लोगों ने इन टोल-फ्री नंबरों के जरिए परामर्श लिया है। 'राज-ममता' कार्यक्रम के तहत युवाओं में बढ़ते तनाव और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियों को रोकने के लिए शिक्षण संस्थानों में विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए स्वास्थ्य मित्रों और आशा सहयोगियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही मानसिक रोगों के लक्षणों की पहचान कर त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

योग और आयुर्वेद से मधुमेह नियंत्रण पर लगी विज्ञान की मुहर : आचार्य बालकृष्ण

टाइप-वन डायबिटीज को लेकर प्रख्यात हैल्थकेयर में पतंजलि का शोध प्रकाशित, 612 शोधपत्रों का किया अध्ययन

हरिद्वार। डायबिटीज के इलाज को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए शोध ने एक क्रांति को जन्म दिया है। जो वैश्विक स्तर पर लंबे समय से टाइप-1 डायबिटीज के मुख्य उपचार इंसुलिन थेरेपी को लेकर नजरिया बदलने को मजबूर कर देगा। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्थान फ्रंटियर्स इन क्लिनिकल डायबिटीज एंड हेल्थकेयर शोध ने यह प्रमाणित किया है कि केवल इंसुलिन से नहीं बल्कि समग्र इलाज से ही मधुमेह को मात दी जा सकती है। जिसके लिए योग, प्राणायाम, ध्यान, संतुलित आहार, जीवनशैली में सुधार तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाना होगा। इसी अप्रैल माह में शोध को प्रकाशित किया गया है।



आचार्य बालकृष्ण

शोध में यह भी साबित किया है कि योग-प्राणायाम आदि को अपनाने से मरीजों के शुगर नियंत्रण, तनाव स्तर और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया। शोध अध्ययन में लगभग 612 शोध पत्रों का विश्लेषण किया गया। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने लीड किया है। इस शोध ने यह भी प्रमाणित किया है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है, जिससे करोड़ों मरीज पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सार्थक बता रहा है।

इस शोध में पतंजलि हर्बल रिसर्च डिवीजन, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड, डिपार्टमेंट ऑफ एलाइड एंड एप्लाइड साइंसेज, यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार के वैज्ञानिक जया उप्रेती, मुस्कान चौहान, मयूर चौहान, प्रशांत कटियार, अनुगुण डाबस और वेद प्रिया आर्य का विशेष योगदान रहा। इस शोध को पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने नेतृत्व में किया गया। उनकी भूमिका इसमें सबसे अहम रही। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि, टाइप वन मधुमेह पर आई नई रिसर्च ने यह साबित कर दिया है कि योग,

■ आचार्य बालकृष्ण ने इस शोध को लीड करते हुए कहा "इंटीग्रेटेड थेरेपी वरदान है"

आयुर्वेद और नेचरोपैथी जैसी इंटीग्रेटेड थेरेपी मरीजों के लिए बेहद मददगार है। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने इस ओर बड़ा पुरस्कार किया है। इतना ही नहीं एकीकृत इलाज से स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर दिखा है। अब दुनिया भर में इस विषय पर शोध तेजी से बढ़ रही है और भारत ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। पतंजलि योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी के जरिये मधुमेह सहित कई जटिल और असह्य रोगों को लगातार अपने वैज्ञानिक और साध्य आधारित प्रमाणों के साथ शोध कर रहा है।

यहां यह गौर करने वाली बात है कि पतंजलि वेलनेस का वह मॉडल है जिससे करोड़ों मरीज पहले से लाभ उठा रहे हैं और अब विज्ञान भी इसे सही साबित कर रहा है। यह कोई वैकल्पिक इलाज नहीं है। यह आधुनिक और समग्र स्वास्थ्य सेवा की नई दिशा है। डायबिटीज का असली इलाज एकीकृत है और अब इस शोध के साथ इसके सबूत भी मौजूद हैं।

हाईवे पर तलवारें लहराकर हुडदंग करने वाले सात बदमाश गिरफ्तार

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर गलता गेट इलाके में रविवार रात की घटना

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। राजधानी में जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बाइक सवार युवाओं द्वारा तलवारें लहराकर दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। गलता गेट थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार साथियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में 20 से अधिक बाइकों पर सवार 40-50 युवक काफिले के रूप में हाईवे पर हुडदंग करते

अली (33) निवासी प्रभात कॉलोनी गलता गेट, मोहम्मद अजीम (32) निवासी रहीम कॉलोनी, अजरुद्दीन उर्फ अज्जु (28) निवासी ईदगाह कच्ची बस्ती, सलीम कुरैसी (35) निवासी गुलवार कॉलोनी पाडामंडी, तौसिफ खान (26) निवासी एमडी रोड लालकोट और जिशन खान (20) निवासी सैयद कॉलोनी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ हुडदंग और दहशत फैलाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। अन्य फरार आरोपियों को तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

ट्रांसजेंडर संशोधन कानून के कुछ प्रावधानों को क्यों ना कर दें रह?

राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा

जयपुर (कास)। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी कर पूछा है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2026 के कुछ प्रावधान इस समुदाय के हितों के विपरीत होने के कारण क्यों ना उनको रद्द कर दिया जाए। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश नई भौम संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर

सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता मितुल जैन ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों का संरक्षण संशोधन अधिनियम, 2019 में कुछ प्रावधानों में बदलाव कर इस साल संशोधन अधिनियम लागू किया है। इस संशोधन अधिनियम के कई प्रावधान ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के केस में व्यवस्था दी थी कि ट्रांसजेंडर अपने

आप को ट्रांसमैन या ट्रांसवुमन मान सकता है। वहीं पुराने कानून में भी इसी तरह की व्यवस्था थी। याचिका में कहा गया कि संशोधन अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि अब संबंधित जिले का सीएमएचओ की अध्यक्षता वाला मेडिकल बोर्ड ट्रांसजेंडर व्यक्ति की मेडिकल जांच करेगा और अपनी रिपोर्ट स्थानीय मजिस्ट्रेट को देगा। वहीं मजिस्ट्रेट ट्रांसजेंडर व्यक्ति को प्रमाण पत्र जारी करेगा। ऐसे में इस प्रावधान से ट्रांसजेंडर व्यक्ति के स्वकल्पित लिंग पहचान के अधिकार को समाप्त हो गया

है और वह प्रमाण पत्र के आधार पर अपनी पहचान मानने के लिए बाध्य है। इसी तरह इस कार्रवाई से उनकी पहचान उजागर होगी, जो निजता के अधिकार के खिलाफ है। याचिका में यह भी कहा गया कि संशोधन अधिनियम उन व्यक्तियों को भी बाहर कर देता है, जिन्होंने सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी करा ली है या हार्मोनल थेरेपी ले रहे हैं। ऐसे में संशोधन अधिनियम से इन्हें प्रावधानों को हटाया जाए जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

मृतक सफाईकर्मियों के परिजनों को आर्थिक सहायता

जयपुर। सीवर चैंबर की सफाई के दौरान 17 अप्रैल को जहरीली गैस से हुई दो स्वच्छता कर्मियों की मौत के मामले में मंगलवार को जयपुर नगर निगम ने पीडित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की। नगर निगम स्वास्थ्य शाखा के उपयुक्त ओम थानवी पीडितों के निवास पहुंचे और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, वाल्मीकि समाज सरपंच मनोज चांवरिया व सफाई कर्मचारियों संगठनों के पदाधिकारियों को मौजूदगी में परिजनों को चेक सीपी प्रतियोगिता के चांदमारी (पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर) निवासी अजय उर्फ सेठी और चिकारा कटौन क्षेत्र (नाला पावर हाउस) निवासी रामबाबू के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदन व्यक्त की। निगम की ओर से अजय की माता छोटी देवी और रामबाबू की पत्नी पुनम को मुआवजा राशि के चेक दिए गए।

'स्कूलों में लगे खेल उपकरणों की जांच करें खेल सचिव'

राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर की निजी स्कूल में हैंडबॉल का पोत गिरने से छात्र की मौत पर प्रसन्नान लिया

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने उदयपुर के निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोत गिरने से छात्र की दर्दनाक मौत को लेकर स्वर्णपत्रा से प्रसन्नान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने खेल सचिव को कहा है कि वे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी स्कूलों को परिपत्र जारी करें। इसके साथ ही छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों में लगे खेल उपकरणों आदि की जांच करें, जिससे आबोध छात्र खेलने के क्षम में अपनी जान ना गंवाएं। अदालत ने अपेक्षा की है कि खेल सचिव सभी जिला मजिस्ट्रेट को इसके लिए पाबंद करेंगे।

वहीं आयोग ने मामले में उदयपुर कलेक्टर, शिक्षा निदेशक, एस्प्री और संभागीय आयुक्त को कहा है कि वे सभी स्कूलों की सुरक्षात्मक जांच करते हुए छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और घटना का संपूर्ण ब्यौरा व तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने पीडित परिवार को उचित मुआवजा देकर इसकी जानकारी भी पेश करने को कहा है।

गौरतलब है कि बीते सोमवार को आठ साल का बच्चा निजी स्कूल में हैंडबॉल के पोत पर खेल रहा था। इस दौरान पोत गिरने से वह गंभीर घायल हो गया था और बाद में उसकी मौत हो गई थी।

कांग्रेस ने सुनियोजित षडयंत्र से महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम को पारित होने से रोका

उन्होंने कहा कि "महिलाओं की भागीदारी के बिना देश के विकास और परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं।"

जयपुर (कास)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विपक्ष द्वारा विरोध करने को लेकर मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं ने सदैव परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और राजनीतिक भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नारायणी देवी वर्मा, जानकी देवी बजाज, हाडी रानी, रानी कर्णावती, रानी पद्मावती, पन्ना धाय तथा अमृता देवी बिर्नोई का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं का योगदान ऐतिहासिक रूप से प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की इतनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद जब नरेंद्र मोदी महिलाओं को आरक्षण पर दिलावा चाहते थे, तब कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने इसमें बाधाएं उत्पन्न कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने



■ वसुंधरा राजे महिला सशक्तिकरण की जीवंत प्रतीक : डॉ. अग्रवाल

परिपक्व राजनीति की कल्पना संभव नहीं है। पार्टी जल्द से जल्द महिला आरक्षण को व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों के इस रुख को महिला विरोधी बताते हुए उसकी निंदा की। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2023 में विपक्ष ने मजबूरी में मन मसोसकर इस विधेयक का समर्थन किया था, लेकिन अब जब चुनाव दूर हैं, तो उन्हें लगता है कि जनता की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाएगी। इसी कारण वे दक्षिण भारत की सीटों में कमी जैसे विभिन्न बहानों के आधार पर इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

मोबाइल स्नैचर चढा पुलिस के हत्थे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग कारवाइयों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोबाइल स्नैचिंग और चोरी को वारदातों में शामिल तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, पांच मोबाइल फोन और घरेलू सामान बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ती मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं के मद्देनजर गठित विशेष टीम ने 16 अप्रैल

को हुई वारदात के बाद सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए भट्टा बस्ती निवासी साहिद चौहान (21) को गिरफ्तार किया। आरोपी राहगीरों से मोबाइल छीनकर फरार हो जाता था। पूछताछ में उसने मौज-मस्ती के लिए वारदात करना स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किए गए। वहीं दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने निर्माणधीन मकान के स्टोर रूम से घरेलू सामान चोरी करने के मामले का

खुलासा करते हुए दीपक नायक (21) निवासी विद्याधर नगर और सागर झा (21) निवासी शास्त्री नगर को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी हिम्मत सिंह के नेतृत्व में एएसआई अर्जुनलाल, हेड कांस्टेबल मूलचंद, अशोक कुमार तथा कांस्टेबल मनीष व महिपाल सिंह की टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

चारधाम यात्रा से पहले एडवाइजरी जारी

-कार्यालय संवाददाता- जयपुर। राजस्थान से चारधाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विस्तृत हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बदलते मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर को देखते हुए यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड, कम हवा का दबाव, कम ऑक्सीजन, तेज अल्ट्रावायलेट रेडिएशन और कम आर्द्रता के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो

सकता है। इसलिए यात्रियों को यात्रा से पहले और दौरान सावधानी बरतना जरूरी है। विभाग ने एडवाइजरी में कहा है कि कम से कम 7 दिन की यात्रा योजना बनाएं, हर 1-2 घंटे में 5-10 मिनट का विश्राम लें, रोजाना 20-30 मिनट टहलें और श्वास व्यायाम करें, मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा शुरू करें, जरूरी सामान साथ रखें। यात्रियों को गर्म कपड़े, रेनकोट, छाता, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर और जरूरी दवाइयां साथ रखने की सलाह दी गई है। हृदय रोग, अस्थमा, हाई बीपी या मधुमेह से पीड़ित लोगों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच करवाने और

डॉक्टर की सलाह लेने को कहा गया है। यात्रा के दौरान शराब, कैफीनयुक्त पेय, धूम्रपान, नौद की गोलियां और तेज दर्द निवारक दवाओं से बचने की सलाह दी गई है। साथ ही रोजाना कम से कम 2 लीटर तरल पदार्थ लेने और पौष्टिक आहार लेने की बात कही गई है। उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए टोल फ्री नंबर 104 जारी किया गया है। सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना, उल्टी, कमजोरी या चलने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या हेलपलाइन से संपर्क करें।

रिफाइनरी में मरम्मत कार्य पूरा होते ही जल्द शुरू होगा कमर्शियल उत्पादन : मंत्री जोगाराम पटेल

संसदीय कार्य मंत्री ने बालोतरा में प्रैस वार्ता कर इस मुद्दे पर चर्चा की

बालोतरा/जोधपुर (कास)। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को आयोजित प्रैस वार्ता में रिफाइनरी से जुड़ी अहम जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। यह लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होना था, जिसे तकनीकी कारणों के चलते टालना पड़ा।

मंत्री पटेल ने बताया कि दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज की समस्या सामने आई थी। घटना की जानकारी मिलते ही तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के भीतर, लगभग 2:45 बजे तक स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया से एक संभावित बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं आज रिफाइनरी पहुंचे और अंदर जाकर तकनीकी व्यवस्थाओं व बाहरी सुरक्षा इंतजामों का गहन निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कंट्रोल रूम में तैनात अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों से संवाद



संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बालोतरा में प्रैस वार्ता कर रिफायनरी प्रकरण को लेकर बातचीत की।

कर उनकी कार्यक्षमता की सराहना की। साथ ही, आपात स्थिति में मुस्तैदी से काम करने वाली महिला अधिकारियों के साहस और समर्पण की भी विशेष प्रशंसा की।

मंत्री पटेल ने बताया कि रिफाइनरी एक विस्तृत क्षेत्र में फैली हुई है और लीकेज से हुआ नुकसान केवल एक सीमित हिस्से तक ही सीमित रहा। उन्होंने कहा कि लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से

■ उन्होंने कहा कि, सोमवार दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी परिसर में लीकेज के बाद आग लगी थी, तकनीकी अधिकारियों और एचपीसीएल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे में स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया था।

लीकेज के वास्तविक कारणों की गहन जांच के लिए अन्य रिफाइनरियों से विशेषज्ञों और बड़ी तकनीकी टीमों को बुलाया जा रहा है, ताकि समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

रिफाइनरी क्षेत्र के औद्योगिक विकास में मौल का पथर साबित होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी।

झुंझुनूं : कार ने बाइक को टक्कर मारी, ममेरे भाई-बहन की मौत, बच्ची घायल

झुंझुनूं में इलाज के बाद तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में हादसा हो गया

झुंझुनूं, (निर्स)। जिले में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर दो जिंदगियां लील गया। सदर थाना क्षेत्र के बीड़ चेकपोस्ट के पास सोमवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उसकी ममेरी बहन की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार साल की मासूम बच्ची जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

जानकारी के अनुसार हरिपुरा निवासी 23 वर्षीय पवन काजला अपनी ममेरी बहन पुजा (30) और उसकी चार वर्षीय बेटो गर्वी के साथ झुंझुनूं इलाज के लिए आया था। इलाज

■ **हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल गए और पीछे आ रही एक कार के शीशे पर जा गिरे, इससे कार का शीशा भी चकनाचूर हो गया।**

के बाद जब तीनों बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी बीड़ क्षेत्र में सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण कि हवा में उछलकर कार के शीशे पर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही तीनों हवा में उछल

ने पवन को मृत घोषित कर दिया। पुजा को जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल मासूम गर्वी का जयपुर के पास एक निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के दौरान वहां से गुजर रहे स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस का इंतजार किए बिना बच्ची को अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में उसकी हालत बिगड़ने पर एक व्यक्ति ने लगातार सीपीआर देकर उसकी सांसें चलती रखीं, जिससे समय पर इलाज मिल सका।

परिवार पर दूटा दुखों का

पहाड़ :- पुजा बचपन से अपने बुआ-फूफा के पास पली-बढ़ी थी। उसकी शादी सेही कलां में हुई थी और वह पिछले कई दिनों से सांस की बीमारी से जूझ रही थी। वहीं पवन गुजरात में मजदूरी करता था और कुछ दिन पहले ही घर लौटा था। 23 अप्रैल को परिवार में खुशियों का कार्यक्रम तय था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा पूरे परिवार को गहरे सदमे में छोड़ गया। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हनुमानगढ़ में कार की टक्कर से दो युवकों की मौत

हनुमानगढ़, (निर्स)। गोलुवाला थाना क्षेत्र में देर रात हुए एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार देर रात करीब 9:30 बजे फतेवाली ढाणी निवासी राजीव सिंह (40) और पृथ्वीराज (35) अपनी बाइक पर गांव लौट रहे थे। गोलुवाला क्षेत्र में भगत सिंह कालिज के सामने केंचिया की ओर से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत 108 एम्बुलेंस की मदद से राजकीय अस्पताल गोलुवाला पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद राजीव सिंह को मृत घोषित कर दिया। पृथ्वीराज की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया

■ **परिजनों ने कार ड्राइवर पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया**

गया, लेकिन बीकानेर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कार चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक गोलुवाला मंडी में एसी रिपैरिंग का काम करते थे। वे देर रात काम खत्म कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत, एक घायल

बीकानेर, (निर्स)। शहर में एलआईसी ऑफिस के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत के कारण हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा सड़क पर गंभीर हालत में तड़पता रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक पर दो युवक सवार थे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन घायल की मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान दिव्यांश (निवासी 7 एमडी घडसाना) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक सुधीर बिशोई निवासी रोड़ा, लूणकरणसर है, जिसका पीबीएम अस्पताल में इलाज जारी है। हादसे के बाद जहां लोग तमाशबीन बने रहे, वहीं पीछे से गुजर रहे

■ **राहगीर इमरान ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, 4.50 लाख रु. लौटाये**

नई रोशनी जन कल्याण सेवा संस्थान के अध्यक्ष इमरान अली ने मानवाता दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और घायल युवक को बिना देर किए पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। समय पर अस्पताल पहुंचने से घायल की जान बच सकी। इमरान अली ने सिर्फ घायल की मदद ही नहीं की, बल्कि इमरानदारी की भी भिंसाएल पेश की। घायलों के पास मौजूद बैग को वे अपने साथ सुरक्षित अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों से संपर्क होने पर पता चला कि बैग में करीब साढ़े चार लाख रुपए नकद थे। इमरान अली ने पूरी जिम्मेदारी के साथ बैग सहित पूरी नकदी परिजनों को सौंप दी।

अनूपगढ़ में दिनदहाड़े सात लाख के गहने व नगदी चोरी

मकान मालिक ने पड़ोसी दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया

अनूपगढ़, (निर्स)। गांव 15ए में दिनदहाड़े एक घर से करीब 7 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नगद चोरी हो गए। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई। मकान मालिक रणजीत सिंह ने अपने पड़ोस में रहने वाले दो युवकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया है।

रणजीत सिंह (47) ने बताया कि मंगलवार को वह अपनी पत्नी के साथ रेडवर्गी गांव में एक शादी समारोह में गए थे। घर पर उनका बेटा अकेला था।

उनका बेटा घर बंद कर बाल कटवाने चला गया था। करीब डेढ़ बजे जब उनका बेटा घर लौटा, तो उसने मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया। बेटे ने तुरंत अपने माता-पिता को सूचना दी, जिसके बाद रणजीत सिंह और उनकी पत्नी घर पहुंचे। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। रणजीत सिंह ने बताया कि अलमारी में रखे 3 तोले सोने के गहने, 800 ग्राम चांदी के गहने और 18 हजार रुपए नकद गायब थे। उन्होंने पुलिस को दी गई लिखित रिपोर्ट में बताया कि उनके पड़ोस

में रहने वाले ओमप्रकाश उर्फ बूटिया और सोनू उर्फ ढडिया पुत्र कुम्भाराम नगे के आदी हैं और घरों में चोरियां करते हैं। रणजीत सिंह ने आरोप लगाया कि इन दोनों भाइयों ने पहले भी उनके घर में चोरी की है और इस बार भी उन्होंने ही यह वारदात की है।

एएसआई सलीम पटान ने बताया कि रणजीत सिंह की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस रणजीत सिंह द्वारा नामजद किए गए दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है।

नहरबंदी से श्रीगंगानगर के गांवों में पानी की किल्लत बढ़ी

श्रीगंगानगर, (निर्स)। श्रीगंगानगर जिले में तेज गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। गर्म हवाओं के साथ धूलभरी आंधियां चलने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है और सोमवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया था। वहीं, नहरबंदी के कारण जिले के ग्रामीण इलाकों में पानी की किल्लत बढ़ गई है। वाटर वर्क्स की डिगियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है। जलदाय विभाग की कई डिगियां सूख गई हैं, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

मौसम विभाग ने 22 और 23 अप्रैल को जिले में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इन दो दिनों में धूलभरी आंधियों के साथ तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे

■ **वाटर वर्क्स की डिगियों में पानी का स्टोरेज पूरी तरह खत्म हो चुका है, जलदाय विभाग की कई डिगियां सूख गई हैं**

गर्मी और भी बढ़ेगी।

मौसम राइजर स्टेशन, श्रीगंगानगर पर मंगलवार सुबह न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री और अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री रहा, जबकि रविवार को न्यूनतम 23.1 डिग्री और अधिकतम 39.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।

एलपीजी के अवैध संग्रहण पर कार्रवाई

अलवर, (निर्स)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिक शुक्ला के निर्देशन प्रवर्तन जांच दल द्वारा एलपीजी गैस के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं व्यापार को रोकने के उद्देश्य से आज अलवर शहर के जसवंत नगर में कार्रवाई कर सात गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि जांच दल द्वारा शहर के जसवंत नगर में दामोदर पुत्र प्रभाती राम की मौजूदगी में बाढ़े की जांच की गई, जिसमें 19 किग्रा क्षमता के 6 गैस सिलेंडर एवं 5 किग्रा क्षमता का 1 सिलेंडर भण्डारित पाया गया। जो घरेलू गैस के अवैध व्यापार किए का स्पष्ट प्रमाण होने पर गैस सिलेंडरों को जब्त कर सुरक्षाथर्म मैसर्स अलवर इंडेन गैस एजेंसी को सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि गैस के अवैध उपयोग को रोकने हेतु आगामी दिवसों में भी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गैस सिलेंडर्स की पर्याप्त उपलब्धता है।

■ **जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यटन बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है**

खिलवाड़ है। उन्होंने चेतावनी दी है कि वे हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर करेंगे। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या वन विभाग पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर नियमों को दरकिनार कर सकता है? क्या किसी भी कीमत पर विकास के नाम पर इतिहास और प्रकृति को नुकसान पहुंचाना सही है? इस मामले में सीसीएफ संग्राम सिंह ने कहा कि अभी मामले की जानकारी नहीं है। दिखवाकर ही कुछ कह पाएंगे।

मासूम से दरिंदगी के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

झुंझुनूं, (निर्स)। जिले में मासूम बच्ची के साथ हुई जघन्य वारदात के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर कुल 1.90 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि जमाने नहीं कराने की स्थिति में अतिरिक्त साधारण कारावास मुहताम होगा।

विशेष लोक अभियोजक सुरेंद्र

सिंह भाम्बू ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूती से प्रस्तुत करते हुए कोर्ट में 27 गवाहों के बयान और 104 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर अदालत ने दोष सिद्ध माना। घटना 5 मई 2025 की है। पीड़िता की मां की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, परिवार जयपुर से एक धार्मिक कार्यक्रम से लौटकर रात करीब 11:30 बजे नवलगढ़ पहुंचा था। इसी

दौरान आरोपी ने उन्हें घर छोड़ने का भरोसा दिलाया और अपनी बाइक पर बैठा लिया। रास्ते में पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर आरोपी ने परिजनों को उतार दिया और मासूम बच्ची को जबरन अपने साथ ले गया। बाद में बच्ची को गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्परात दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया।

विशेष न्यायालय के इस फैसले को समाज में बच्चों के खिलाफ अपराधों पर कड़ा संदेश माना जा रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मासूमों के खिलाफ अपराध किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यह फैसला न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में अहम कदम है, बल्कि ऐसे अपराधों पर रोक लगाने के लिए भी एक मजबूत चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

अलवर : वन विभाग ने बाला किले की 400 साल पुरानी दीवार तोड़ी

हजारों पेड़ काटकर वन विभाग ने सफारी के लिए नया रास्ता बनाया

अलवर, (निर्स)। शहर के पास सरिस्का बफर ज़ोन में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा हो गया है। जंगल सफारी के नाम पर तैयार किए गए नए रास्ते ने न सिर्फ पर्यावरण बल्कि ऐतिहासिक धरोहर को भी नुकसान पहुंचाया है। यह रास्ता आड़ा पाड़ा से अंधेरी होते हुए सूरजकुंड से सीधे बाला किला क्षेत्र तक बनाया गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस रास्ते के निर्माण के दौरान हजारों हरे-भरे पेड़ों को काट दिया गया। वहीं करीब 400 साल पुराने बाला किला की मजबूत परकोटा (सुरक्षा दीवार) को भी तोड़ दिया गया जो अलवर की ऐतिहासिक पहचान का अहम हिस्सा है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर भारी नाराजगी है। सुबह घूमने आने वाले लोगों ने वन विभाग के इस फैसले को गलत बताया। उनका कहना है कि जब पहले से जंगल सफारी के लिए रास्ता मौजूद था तो नया रास्ता



अलवर के बाला किले की तोड़ी गई दीवार का हिस्सा।

बनाने के लिए पेड़ों की कटाई और किले की दीवार तोड़ने की क्या जरूरत थी। इस पूरे मामले को लेकर डॉ.

कांतप्रसाद शर्मा ने कड़ा विरोध जताते हुए साफ कहा है कि यह सीधा-सीधा पर्यावरण और धरोहर के साथ

जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

जोधपुर, (कांस)। सांचौर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के आरोपी चनाराम विश्‍नोई की राजस्थान हाईकोर्ट ने लगातार दूसरी बार जमानत याचिका खारिज कर दी है।

जानकारी के अनुसार 18 अगस्त 2024 को पुलिस थाना सांचौर में परिवारी अणोप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसका छोटा बेटा जालम सिंह हुबली में भागीरथ विश्‍नोई की लांज पर नौकरी करता था। भागीरथ कुछ समय से उसको वेतन नहीं दे रहा था। जालम सिंह ने भागीरथ से तनख्वाह के बकाया रुपए मांगे तो भागीरथ विश्‍नोई ने उसे नौकरी से निकाल दिया। उसके कुछ बाद भागीरथ घर पर आया जालम सिंह पर मुखाबिरी का आरोप लगाकर

पंद्रह लाख रुपए की मांग की। बाद में जालम सिंह का अपहरण कर हत्या कर दी। मुकदमे में भागीरथ विश्‍नोई, चनाराम विश्‍नोई व अन्य सह आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रकरण में चार्जशीट पेश की गई, जिसका वर्तमान में मुकदमा अपर सेशन न्यायाधीश सांचौर में चल रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट में इस केस के मुल्जिम चनाराम विश्‍नोई की ओर से उनके वकील ने जमानत प्रार्थना-पत्र पेश किया गया था। परिवारी अणोप सिंह की ओर से एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट में बताया कि मुल्जिम चनाराम विश्‍नोई ने अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर जालम सिंह के साथ बुरी तरह मारपीट करके उसे 40 चोटें पहुंचाकर

शुंश हत्या की है, जिसके सोरे सबूत चार्जशीट में मौजूद हैं। मुल्जिम का नाम प्रथम सूचना रिपोर्ट में दर्ज है और वह पूर्वनिर्वाचित षड्यंत्र में पूर्ण रूप से शामिल है, जिसका नतीजा जालम सिंह की हत्या के रूप में हुआ। चार गवाहों ने मुल्जिम चनाराम विश्‍नोई के खिलाफ बयान दिए थे। एडवोकेट निखिल भण्डारी ने हाईकोर्ट को यह भी बताया कि अभी इस मुकदमे में 22 और गवाहों के बयान होने हैं, जिनमें डॉक्टर और पुलिस अधिकारियों के बयान भी होने बाकी हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस कुलदीप माथुर ने मुल्जिम चनाराम विश्‍नोई का लगातार दूसरा जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

जोधपुर, (कांस)। शहर के एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने एक बाइक और स्कूटी में भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द किया। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि सांचौर जिले के करड़ा स्थित आकोली, चितलवाना हाल 8ई 21 निवासी श्रवण कुमार पुत्र मालाराम विश्‍नोई की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि उसका भतीजा मनोज अपनी स्कूटी लेकर एम्स अस्पताल गेट संख्या 8 के सामने से निकल रहा था। तब एक बाइक सवार से उसकी भिड़ंत हो गई। हादसे में उसका भतीजा मनोज घायल हो गया। जिसकी बाद में अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। मामले में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने कार्रवाई की। शव परिजन को सौंप दिया।

एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटी गिरफ्तार

नापासर पुलिस ने अलग-अलग दबिश देकर गिरफ्तार किया

■ **नापासर पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया**

नापासर, (निर्स)। रेंज आईबी ओमप्रकाश के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नापासर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक साल से फरार चल रहे तीन स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया। कार्यवाहक थानाधिकारी जगदीश कुमार के नेतृत्व में गठित टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान तीन वांछित आरोपियों को पकड़ा गया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शिवलाल पुत्र मांगीलाल निवासी हिंमतासर, करणीदान उर्फ कालू सोनी पुत्र पूनमचंद निवासी नेहरू चौक नापासर और लालचंद पुत्र बाबूलाल निवासी हरिरामपुत्र नापासर शामिल हैं। ये सभी

लंबे समय से विभिन्न मामलों में वांछित थे। इनके खिलाफ न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किए गए थे। हालांकि, ये आरोपी लगातार गिरफ्तारी से बचते हुए फरार चल रहे थे। पुलिस टीम ने सटीक सूचना और रणनीति के आधार पर मंगलवार को कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। नापासर पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य फरार अपराधियों पर शिकंजा कसना है।



मंडफिया : भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में 16 अप्रैल चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंगलवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष की उपस्थिति में चौथे चरण में हुई। चौथे चरण से भंडार से 3 करोड़ 78 लाख 77 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई भंडार गिनती से 27 करोड़ 22 लाख 86 हजार रुपए की नगद प्राप्त हुई। चारों चरणों को मिलाकर 31 करोड़ 1 लाख 63 हजार नगद प्राप्त हुए। पांचवें चरण की गिनती बुधवार को होगी। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव, सदस्य पवन तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भैरुगिरी गोस्वामी सहित मंदिर एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट की, पांच गिरफ्तार

■ **आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी**

डुंगरपुर, (निर्स)। दोवड़ा थाना पुलिस ने राहगीरों से अवैध वसूली और मारपीट करने के आरोप में पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने शराब के नशे में एक पिकअप ड्राइवर को रोककर मारपीट की थी और उसकी गाड़ी के कांच भी फोड़ दिए थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दोवड़ा थाने के सीआई ने बताया कि पादली निवासी प्रवीण डेंडोर ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रवीण ने बताया कि 19 अप्रैल को वह अपने पिकअप ड्राइवर के साथ डुंगरपुर की ओर जा रहे थे। दोवड़ा पंचायत समिति के पास एक इनोवा कार ने उनकी

बीच-बचाव करने आए स्थानीय निवासियों के साथ भी आरोपियों ने अश्रुता और मारपीट की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। थानाधिकारी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दबिश दी और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दामडी फला नाल निवासी कुष्णकान्त परमार मीणा, सिदडी खेरवाड़ा निवासी जयन्ति परमार, महिपाल अहारी, जितेन्द्र अहारी और हथार्डी फला निवासी कान्तिलाल ननोमा मीणा शामिल हैं। पुलिस उनसे आगे की पूछताछ कर रही है।

पिकअप को ओवरटेक कर रास्ता रोक दिया। कार से उतरे बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपयों की मांग की। जब प्रवीण ने रुपए देने से इनकार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिकअप पर पथराव शुरू कर दिया। बदमाशों ने प्रवीण और ड्राइवर पर लड्डू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी।

बीएसएफ जवान संजय सिंह को सैन्य सम्मान से अंतिम विदाई दी

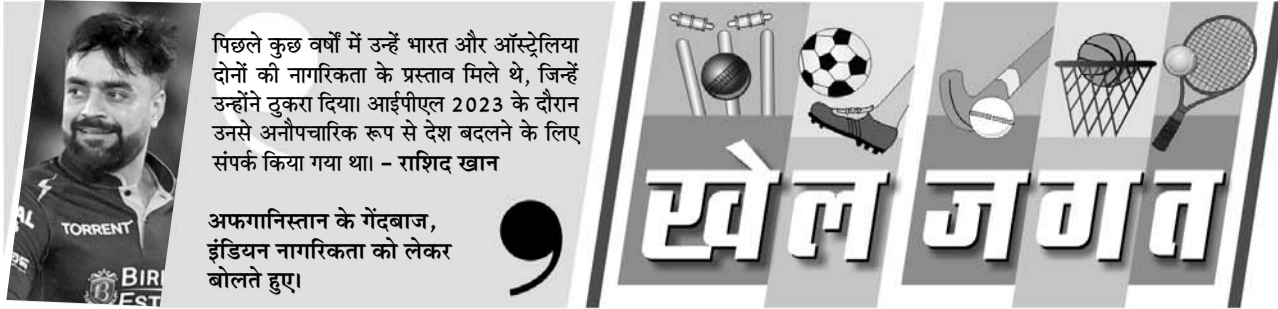
10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी

बुहाना, (निर्स)। देश सेवा करते हुए एक और वीर सपूत ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। झुंझुनूं जिले के बुहाना क्षेत्र के गांव लालामंडी निवासी बीएसएफ जवान संजय सिंह का पश्चिम बंगाल में ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से निधन हो गया। मंगलवार को उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचा, जहां पूरे सैन्य सम्मान के

साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरे गांव में शोक की लहर छा गई। ड्यूटी पर ही बिगड़ती तबीयत, अस्पताल में तोड़ा दम :- 35 वर्षीय संजय सिंह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीएसएफ की 146वीं बटालियन में तैनात था। 19 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। साधियों ने तुरंत उन्हें बीएसएफ

अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते 20 अप्रैल तड़के करीब 12:45 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को जैसे ही शहीद जवान का पार्थिव शरीर गांव लालामंडी पहुंचा, पूरा क्षेत्र गमगीन हो उठा। तिरों में लिपटे अपने बेटे को देख परिजन बेसुध हो गए। सेना के जवानों ने पूरे सम्मान के साथ सलामी दी और पार्थिव शरीर को अंतिम

संस्कार के लिए ले जाया गया। इस हृदयविदारक पल में सबसे भावुक दृश्य तब सामने आया, जब संजय सिंह के 10 वर्षीय बेटे यश ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने वीर जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।



बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच से पहले अनुभवी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने पर औपचारिक विदाई दी। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में रुबेल के पूर्व साथी खिलाड़ी और मौजूदा

टीम के सदस्य मौजूद रहे। बांग्लादेश क्रिकेट में इस तरह की औपचारिक विदाई कम ही देखने को मिलती है, ऐसे में बीसीबी द्वारा किया गया यह सम्मान खास रहा। रुबेल ने कहा, संन्यास की घोषणा के बाद तमाम इकबाल ने खुद फोन कर मुझे सम्मानित करने की इच्छा जताई।

क्या आप जानते हैं? ... भारत ने 598 टेस्ट में से 185 जीते हैं और 188 हारे हैं। राहुल द्रविड़ ने टेस्ट में सबसे ज्यादा गेंदों का सामना करने (31,258) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

के.एम. मुंशी मेमोरियल टेनिस टूर्नामेंट : ईशन्वी को स्वर्ण, सुहाना को रजत



जयपुर, 21 अप्रैल। विद्याभ्रम स्कूल द्वारा आयोजित के. एम. मुंशी मेमोरियल इंटर स्कूल टूर्नामेंट में युवा टेनिस खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के टेनिस टूर्नामेंट में मेजबान विद्याभ्रम स्कूल की ईशन्वी ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं, कड़े मुकाबले में नीरजा मोदी वर्ल्ड स्कूल की सुहाना सिंघवी ने उत्कृष्ट खेल दिखाया और रजत पदक हासिल किया। इस उपलब्धि पर दोनों स्कूलों के खेल प्रशिक्षकों और प्रबंधन ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरआर बनाम एसआरएच मैच के लिए 500 के विशेष छात्र टिकट की घोषणा की

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में एसआरएच के खिलाफ अपने आगामी मैच के लिए एक विशेष छात्र टिकट पहल की घोषणा की है, जिसके तहत टिकट की कीमत 500 रुई रखी है। यह विशेष टिकट 23 अप्रैल 2026 को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में की जाएगी। छात्र 11:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक स्टेडियम के वेस्ट गेट पर स्थित निर्धारित बॉक्स ऑफिस काउंटर से टिकट खरीद सकते हैं। टिकट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए छात्रों को खरीद के समय अपना वैध स्कूल या कॉलेज आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक आईडी पर अधिक एक टिकट ही खरीदा जा सकता, जिससे अधिक के अधिक छात्रों को इस पहल का लाभ मिल सके। एसआरएच का उद्देश्य युवा दर्शकों को खेल के और करीब लाना और उन्हें किफायती कीमत पर लाइव आईपीएल मैच का अनुभव देने का अवसर प्रदान करना है। जयपुर में होने वाले आगामी मैचों में दर्शकों को एक ऊर्जावान और रोमांचक स्टेडियम अनुभव मिलने की उम्मीद है।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती



जयपुर, 21 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 195 रन व 7 विकेट के नुकसान पर बनाए। नवदीप सिंह ने 78 और विद्यान शर्मा ने 30 रनों का योगदान दिया। कैडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैडलविक क्रिकेट अकादमी 27 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। दिव्यांश ने 27 और सक्षम ने 22 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से प्रतीक सैनी, पार्थ और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच नवदीप सिंह को चुना गया।

एसजे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को हराया



जयपुर 21 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति भी डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में एस जे पब्लिक स्कूल ने मिनर्वा क्लब को 84 रनों से हराया। जयपुर जिला क्रिकेट संघ के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी ने बताया कि एल सैनी स्टेडियम पर एस जे पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अक्षत चंदवाल के शानदार दोहरे शतक 203 रन नाबाद (155 गेंद, 24 चौके व 3 छक्के), हर्ष सैनी के 133 रन (92 गेंद, 16 चौके व 5 छक्के) से 50 ओवर में 2 विकेट पर 378 रन बनाए। मिनर्वा क्लब के लिए मोहम्मद शादाब व साई ओम ने एक- एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मिनर्वा क्लब की टीम ने मोहम्मद शादाब के 36 रन, रियान सेवेस्टियन के 42 रन, अमरनाथ सिंह के 91 रन व रियांश अदवाल के 52 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 294 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए विनेश मीणा ने 26 पर 3, साहिल नायक ने 57 पर 2, गुलजा, मोहित व उमेश मीना ने एक-एक विकेट लिया।

क्रिकेट डीपीएल-2 को किया गया स्थगित

दौसा, 21 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ दौसा संघ व बुजकिशोर उपाध्यय ने बताया कि जिला क्रिकेट संघ द्वारा डीपीएल -2 का भव्य आयोजन दिनांक 10.5.2026 से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में किया जाना प्रस्तावित था लेकिन राजस्थान क्रिकेट संघ ने इस साल होने वाले टूर्नामेंट का नोटिफिकेशन कल ही जारी किया उनके अंतर्गत 11 मई 2026 से कॉलविन शिल्ड टूर्नामेंट का आयोजन आरसीए द्वारा किया जाएगा जिसमें जिले से सभी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम चयन करने के लिए ट्रायल मैच और टीम की तैयारी के लिए भी समय चाहिए जिसको देखते हुए डीपीएल-2 का आयोजन स्थगित किया गया है। आगे समय तारीख तय कर सूचित कर दिया जाएगा सचिव बुजकिशोर उपाध्यय द्वारा यह भी बताया गया कि अभी आरसीए के टूर्नामेंट और उनके बाद बारिश के सीजन को देखते हुए सितंबर अक्टूबर में डीपीएल 2 का भव्य आयोजन जिला क्रिकेट संघ द्वारा करवाया जाना प्रस्तावित है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली को 47 रनों से हराया, अभिषेक के बाद मलिंगा ने बिखेरा जलवा

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 में जीत की हैदिक लगा दी है। एसआरएच ने मंगलवार को हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से धूल चटाई। एसआरएच ने 243 रनों का टारगेट दिया। जवाब में जीसी ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन बनाए। इससे पहले, एसआरएच ने दो विकेट के नुकसान पर 242 रन जुटाए। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तुफानी शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 10 छक्के हैं। टॉस गंवाकर बैटिंग करने उतरी हैदराबाद टीम को अभिषेक ने शानदार शुरुआत दिखाई। उन्होंने ट्रैविंस हेड (26 गेंदों में 37, दो चौके, दो छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी की। हेड को अक्षर पटेल ने नौवें ओवर में पवेलियन भेजा। इसके बाद, अभिषेक ने कप्तान ईशान किशन (13 गेंदों में 25, दो चौके, एक छक्का) के संग 79 रन जोड़े। ईशान 15वें ओवर में रनआउट हुए। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन ने तीसरे विकेट के लिए 66 रनों की अदृ



पार्टनरशिप की। क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। उनके बल्ले से तीन चौके और तीन छक्के निकले। दिल्ली की ओर से नीतीश राणा सबसे ज्यादा महंगे रहे। उन्होंने चार ओवर में 55 रन लुटाए। मुकेश कुमार ने 53 रन खर्च किए।



ईशान मलिंगा हैदिक से चूके, 4 विकेट झटके
ईशान मलिंगा ने 4 विकेट झटके। उन्होंने इमैकट प्लेयर आशुतोष शर्मा (14 रन), दिस्टन स्टुब्स (27 रन), नीतीश राणा (57 रन) और डेविड मिलर (जीरो) को पवेलियन भेजा। राणा और मिलर को लगातार बॉल पर आउट करके बाद मलिंगा के पास हैदिक का चांस था, लेकिन वे चूक गए।

बीसीसीआई के शेड्यूल से नाखुश हैं कोच गौतम गंभीर और शुभमन गिल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के खत्म होने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच खेलेंगे। लेकिन कोच और कप्तान इस टेस्ट के शेड्यूल से खुश नहीं हैं। आईपीएल का फाइनल मुकामला 31 मई को खेला जाना है जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट 6 जून से शुरू होना है। अभी तक ये भी तय नहीं है कि कौन-कौन सी टीमों आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचेंगी। ऐसे में अजीत अगरकर की चयन समिति अफगानिस्तान टेस्ट के लिए कुछ रिजर्व खिलाड़ियों को मौका दे सकती है।



गंभीर और गिल पहले भी इतने व्यस्त शेड्यूल का विरोध कर चुके हैं और अब फिर उसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता प्लान बी पर काम कर रहे हैं। गुरनूर बरार, मानव सुधार, आकिब नबी, देवदत्त पडिकवल और कुछ अन्य खिलाड़ी इस एकमात्र टेस्ट के लिए सेलेक्टर्स का नजर में हैं, क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। क्योंकि वे आईपीएल खेल रहे हैं और उपाधे भी लगातार बिजी शेड्यूल है।

वहीं एक सूत्र ने कहा कि, आईपीएल फाइनल और अफगानिस्तान टेस्ट के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों पर ज्यादा बोझ नहीं डालना चाहेंगे, क्योंकि इसके बाद तीन वनडे और फिर इंग्लैंड दौरे पर व्हाइट-बॉल सीरीज हैं। सूत्र ने बताया कि, अफगानिस्तान टेस्ट में डब्यूटीसी के अंक नहीं मिलेंगे, इसलिए खिलाड़ियों का वर्कलोड संभालना जरूरी है। कुछ खिलाड़ी करीब दो महीने लगातार क्रिकेट खेलेंगे। अभी वनडे और डब्यूटीसी ज्यादा अहम हैं। टीम चाहेगी कि उसके बड़े खिलाड़ी फिट, तराताजा और श्रीलंका व न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट और बाकी वनडे मैचों के लिए तैयार रहें। ऐसे में इस टेस्ट के लिए बुमराह को जोखिम में डालने का क्या फायदा?

मास्को में शिव ने स्वर्ण व धीरज ने जीता रजत पदक



जयपुर, 21 अप्रैल। मास्को, रूस में 15 से 21 अप्रैल 2026 तक आयोजित हुई मास्को वुशु स्तर प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशु संघ व अध्यक्ष राजस्थान वुशु संघ ने बताया कि भारतीय वुशु टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये, शिव ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में सेमीफाइनल में चीन के खिलाड़ी व फाइनल में रूस के खिलाड़ी को हरा कर स्वर्ण पदक जीता तथा धीरज चौधरी ने 100 किलोग्राम भारवर्ग में फ़ाइनल में रूस के खिलाड़ी के साथ खेलते हुए रजत पदक जीत कर देश व राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया। शिव व धीरज की इस उपलब्धि पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, राजकुमार सानी संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशु संघ, के. सी. शुभरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशु संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशु संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशु संघ, वुशु कोच राजेश कुमार टेलर व सभी पदाधिकारियों ने बधाई दी।

आईसीसी महिला टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची शेफाली

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने आईसीसी महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर छठा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने डरबन में खेले गए दूसरे मुकाबले में 38 गेंदों पर 57 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें

दो छक्के और चार चौके शामिल रहे। हालांकि, शेफाली को इस पारी के बावजूद भारतीय टीम को जीत नहीं मिल सकी और दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकामला आठ विकेट से जीत लिया। पांच मैचों की श्रृंखला में मेजबान टीम 2-0 से आगे है। वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज एक स्थान ऊपर चढ़कर

तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिसके बाद वह दो स्थान की बढ़त के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ट अब तक श्रृंखला में 105 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं।

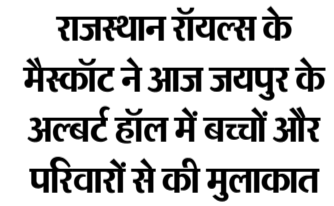
स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 जयपुरिया विद्यालय व संस्कार एकेडमी जीती

जयपुर, 21 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया विद्यालय ने तारिक एकेडमी की 162 रनों से हराया तथा संस्कार एकेडमी ने एमी एकेडमी को 6 विकेट से हराया। नैना ग्राउंड पर जयपुरिया विद्यालय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिनव धनकर के 55 रन, रचित 39 रन, निमेष के 44 रन व अभिषेक बालोट के 46 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 248 रन बनाए। तारिक एकेडमी के लिए रेहान खान व चेतन मीणा ने 2-2 विकेट लिए। जवाबी पारी में तारिक एकेडमी की टीम चेतन मीणा के 11 रन, मोहन सैनी के 21 रनों से 25.3 ओवर में 86 रनों से सिमट गई। जयपुरिया विद्यालय के लिए समक्ष जैन ने 18 पर 4, ओम शर्मा अभिषेक राठौर ने 13 पर 3, कुशाग्र ने 18 पर 2 विकेट लिए।



दूसरे मैच में नारायण ग्राउंड पर एमी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नयन गिल के 29 रन व कृष यादव के 23 रनों से 1.0 रन ओवर में 97 रन बनाकर आउट हो गईं। संस्कार एकेडमी के लिए गज प्रताप सिंह ने 26 पर 6 विकेट, हर्ष जैन व यशवर्धन ने 2-2 विकेट लिए। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम ने काव्य शालानी के 29 रन, बादल गुर्जर के 23 रन व आयुष सैनी के 12 रनों से 1.2 रन सचिव। 8.2 ओवर में 4 विकेट पर 102 रन बना कर मैच जीत लिया। एमी एकेडमी के लिए मोहम्मद साद व कृष यादव ने 2-2 विकेट लिए।

राजस्थान रॉयल्स के मैसकॉट ने आज जयपुर के अल्वर्ट हॉल में बच्चों और परिवारों से की मुलाकात



जयपुर, 21 अप्रैल। जयपुर के ऐतिहासिक अल्वर्ट हॉल में आज शाम हल्ला बॉल का जोश देखने को मिला, जब राजस्थान रॉयल्स के मैसकॉट मूचू सिंह ने यहां आकर बच्चों और परिवारों के साथ शानदार समय बिताया। शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच, अपनी खास मूंछ और जोश से पहचाने जाने वाले मूचू सिंह ने सैकड़ों बच्चों के साथ मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया और उन्हें खूब एंटरटेन किया। मूचू सिंह का शहरभर में चल रहा दूर कला भी जारी रहेगा, जहां फैस को फिर से गेम्स, मस्ती और गिवअवे का मजा मिलेगा। 22 अप्रैल को यह मस्ती अब शहर के पसंदीदा शांतिंग डेस्टिनेशंस-वर्ल्ड इंड्रैक पार्क और गौरव टावर में शाम तक जारी रहेगी।

अभिषेक बने आईपीएल 2026 के 'सिक्सर किंग'

हैदराबाद, 21 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा 2026 के सिक्सर किंग बन गए हैं। उन्होंने रजत पाटीदार से यह ताज छीना। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 68 गेंदों में 10 चौकों और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 135 रनों की पारी खेली। अभिषेक आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले प्लेयर बन गए हैं। वह जारी सीजन में अब तक सात मैचों में 27 छक्के लगा चुके हैं।

नोवाक जोकोविच ने की विराट कोहली की तारीफ, कहा- उनके कारण ही क्रिकेट को फॉलो करता हूँ



नई दिल्ली, 21 अप्रैल। टेनिस आइकन नोवाक जोकोविच इन दिनों क्रिकेट को फॉलो कर रहे हैं। जिसकी वजह भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफ है। 'खेल की दुनिया का ऑस्कर' कहे जाने वाले लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स से इतर एक भारतीय न्यूज चैनल से बातचीत करते हुए जोकोविच ने किंग कोहली की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि उनकी वजह से ही उन्होंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। उन्होंने साथ में ये उम्मीद भी जताई कि जब भी वह कभी भारत जाएंगे तो कोहली उनके साथ जरूर रहेंगे। साथ ही टेनिस स्टर ने जल्द ही भारत आने की बात कही है। नोवाक जोकोविच ने टाइम्स नाउ के साथ बातचीत में कहा कि, विराट कोहली मेरे दोस्त हैं और ऐसे शख्स हैं जिनका मैं सम्मान करता हूँ प्रशंसा करता हूँ। ईमानदारी से कहें तो उनकी वजह से ही मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया है। मैंने पहले भी इसे फॉलो किया लेकिन उनके जरिए और ज्यादा फॉलो करना शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद करता हूँ कि मैं जब भी भारत आऊंगा, मैं कहना तो नहीं चाहता लेकिन मैं जब भी भारत आऊंगा वह मेरे साथ हो सकते हैं। हम थोड़ा बहुत टेनिस खेलेंगे और थोड़ा बहुत क्रिकेट। मस्ती करेंगे और स्पॉट का आनंद लेते हुए पॉजिटिव, गुड हाइम्स फैसला करेंगे। वहीं नोवाक ने खुद को भारत का फैन बताया। उन्होंने बताया कि वह जल्दी ही भारत आने का भी प्लान कर रहे हैं जिसका वह लंबे समय से फैन रहे हैं।

ईशान किशन के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। ईशान किशन को आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कर्मिस को अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने इस सीजन के अब तक 6 मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी की है और इस दौरान एक अनचाहा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इन 6 मुकामलों में ईशान किशन की किस्मत ने बिल्कुल साथ नहीं दिया है। दरअसल, ईशान किशन आईपीएल 2026 में अब तक जितने भी मैचों में कप्तानी की है उनमें से एक में भी सिकका उनके पक्ष में नहीं गिरा है। यानी वे सभी 6 मुकामलों में जीत जीतने में असफल रहे हैं। इसके साथ किशन आईपीएल के इतिहास के पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिन्होंने कप्तानी करते हुए अपने पहले 6 मुकामलों में लगातार टॉस नहीं जीता है। इससे पहले साल 2016 में डेविड मिलर ने सनराइजर्स हैदराबाद में सनराइजर्स 5 टॉस गंवाए थे। जो एक रिकॉर्ड था लेकिन अब इस रिकॉर्ड को ईशान किशन ने तोड़ दिया है और वे आईपीएल के इतिहास के अपने शुरुआती 6 मुकामलों में एक में भी टॉस ना जीतने वाले पहले कप्तान बने हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह अवमानना के दोषी, दिल्ली उच्च न्यायालय सुनाएगा फैसला



नई दिल्ली, 21 अप्रैल। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। 'न्यायमूर्ति' पुरुषोत्तम कुमार कौर ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी। अदालत ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित प्रकृष्य साईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया। उन्होंने अपनी इस याचिका पर हॉकी इंडिया के अधिकारियों द्वारा 17 जनवरी, 2025 को पारित आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। अदालत ने कहा कि उसके निर्देशों के अनुसार हॉकी इंडिया के अधिकारियों को याचिकाकर्ता को वे जरूरी लिंक उपलब्ध कराने थे जिससे कि वह कार्यकारी बोर्ड की सभी बैठकों में भाग ले सकें, लेकिन चार जुलाई, 2025 और 27 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठकों के लिए ऐसा नहीं किया गया, इसमें भाग्य भाग्य कि कथित तौर पर बाद की किसी भी घटना से अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिंक प्रदान करने के अपने दायित्व से छूट नहीं मिलती, जबकि उन्होंने निर्देश में संशोधन की मांग भी नहीं की थी।

फ्रेंच ओपन 2026 : चोट के चलते रोलां गैरों से बाहर हो सकते हैं कार्लोस अल्काराज

पेरिस, 21 अप्रैल। मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने संकेत दिए हैं कि वह अपनी कलाई की गंभीर चोट के कारण इस साल के फ्रेंच ओपन (रोलां गैरों) में हिस्सा नहीं भी ले सकते हैं। 22 वर्षीय स्पेनिस खिलाड़ी ने कहा है कि वह जल्दबाजी में वापसी करने के बजाय पूरी तरह फिट होकर लौटना चाहते हैं। अल्काराज को पिछले सप्ताह बार्सिलोना क्ले-कोर्ट टूर्नामेंट से हटना पड़ा, जब एक रिटर्न खेलते समय उनकी कलाई में समस्या आ गई। बाद में जांच में चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर निकली। इसके बाद उन्होंने मैड्रिड ओपन से भी नाम वापस ले लिया, जिससे 18 मई से शुरू होने वाले रोलां गैरों में उनके खेलने पर संदेह गहरा गया है। सोमवार को एक समारोह के दौरान उन्होंने कहा मैं थोड़ा देर से लेकिन पूरी तरह फिट होकर वापसी करना पसंद करूंगा, बजाय इसके कि जल्दबाजी में लौटकर खुद को और नुकसान पहुंचाऊं। उन्होंने आगे कहा, मेरा करियर अभी लंबा है। अगर मैं इस रोलां गैरों में खुद पर ज्यादा दबाव डालता हूँ, तो इसका असर आगे के टूर्नामेंट पर पड़ सकता है।



कार्यालय मुख्य अभियंता एवं महानिदेशक, सिंचाई प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, दादाबाड़ी रोड, कोटा
ट्रेनिंग से - 0744-2500682 Email: ceimti.kota@rajasthan.gov.in
क्रमांक-एच. डबल्यू.एफ.आई./निविदा/2026/27/28-34 दिनांक-15/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 01 व 07 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्य अनुमानित लागत रु. 19.98 लाख हेतु अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदाएं ऑनलाइन वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 17.04.2026 प्रातः 11.00 बजे से 06.05.2026 प्रातः 6.00 बजे तक इलेक्ट्रॉनिक विधि जाकर, ऑनलाईन निविदाई इसी वेबसाइट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 06.05.2026 प्रातः 6.00 बजे तक उपस्थापित (जमा) की जा सकती है। वेबसाइट पर निविदा दिनांक 07.05.2026 को प्रातः 3.00 बजे खोली जाएगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश देना है तो उसके आगे का दिनांक को उसी समय पर निविदाई खोली जायेगी।

उत्तरदाता निविदा www.dipr.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.walter.rajasthan.gov.in/ in/ni पर भी उपलब्ध है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल (DSC) हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट <http://www.eproc.rajasthan.gov.in> पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
NB Code: WRD2627A0088
कार्य का यू.बी.एन. नम्बर- WRD2627WSOB000008

अतिरिक्त निदेशक
हाइड्रोलाजिकी एण्ड वाटर मैनेजमेंट
इन्स्टीट्यूट, बीकानेर

DIPRC/7087/2026

कार्यालय अधिशाही अभियन्ता, जलप्रवण विकास एवं भू-संरक्षण सांभरलेक जयपुर
क्रमांक :-50-57 दिनांक :-16.04.2026

अपकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 01 व 07 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मुख्यमंत्री जल-स्वास्थ्य अभियान 2026 (MUSA2.0) Pn-I ब्लॉक जोधपुर जिला जयपुर अन्तर्गत स्वीकृत Farm Pond/Khet Talai (with HDPE Sheet) निर्माण कार्य हेतु राजस्थान लोक उपायन में परदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में सार्वजनिक निर्माण विभाग / जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग / जल संचालन विभाग / ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग / स्थानीय निकायों में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के लिए अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 17.04.2026 प्रातः 10.00 से दिनांक 27.04.2026 को प्रातः 06.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाई आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं दिनांक 28.04.2026 को सुबह 11:00 बजे कार्यालय में खोली जावेगी। निविदा का विस्तृत विवरण <https://sppp.rajasthan.gov.in/>, <https://eproc.rajasthan.gov.in/> एवं विभागीय वेबसाइट www.watershed.gov.in/ पर देखा जा सकता है। (बलबीर सिंह)

NIB CODE:-WSC2627A0088 अधिशाही अभियन्ता, जलप्रवण विकास एवं भू संरक्षण सांभरलेक (जयपुर)
UBN NO:- WSC2627WSOB00143
DIPRC/7120/2026

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर टक्कर में जयपुर के 6 लोग घायल

अलवर, 21 अप्रैल (निर्सं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार बिजनेसमैन परिवार के छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिकअप को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ।

बड़ौदामेव थाना प्रभारी मोहन गुर्जर ने बताया कि एक्सप्रेस तड़के साढ़े चार से पांच बजे के बीच में हुआ है। जयपुर के दादी का फाटक निवासी बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल (42) अपनी मां अल्का अग्रवाल (66), पत्नी बबिता अग्रवाल (38) और पुत्र सौम्य (9) और लक्ष्य (11) के साथ हरिद्वार चूमने गए थे। बिजनेसमैन परिवार मंगलवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हरिद्वार से जयपुर लौट रहा था। एक्सप्रेस-वे पर अचानक एक पिकअप उनकी अर्टिगा कार के सामने आ गई। उसे बचाने के प्रयास में कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। कार चला रहे

■ दादी का फाटक के बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल परिवार सहित हरिद्वार से लौट रहे थे।

जयपुर निवासी अमित चौधरी ने कार का संतुलन बनाने की कोशिश की, लेकिन कार आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद पिकअप व ट्रक वाले फरार हो गए। बिजनेसमैन पुनीत अग्रवाल के बेटे लक्ष्य ने बताया कि उनके पापा को सबसे ज्यादा चोट आई है। पिकअप वाले मौके से भाग गए। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिर उनको अस्पताल पहुंचाया गया। राहगीरों ने घायलों की मदद की। पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

‘सीजेआई सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग लिया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एम.एम. सुंदरेश ने इस भूमिका में आने वाली चुनौतियों और कड़ी मेहनत के बारे में बात की। न्यायाधीश सुंदरेश ने तमिल में कहा कि इतने विशाल देश का मुख्य न्यायाधीश होना आसान काम नहीं है। उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की दिनचर्या को उजागर करते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 17-18 घंटे काम करते हैं, रात को लगभग 3 बजे सोते हैं और फिर

सुबह 7 बजे उठ जाते हैं। “बार एंड बैच” की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई सूर्यकांत ने भारत की न्यायिक प्रणाली में निचली अदालतों की केन्द्रीय भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि जबकि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून को आकार देते हैं, जिला अदालतें इसे लोगों के दैनिक जीवन में वास्तविक अर्थ देती हैं। अधिकांश नागरिकों के लिए जिला अदालतें न्याय तक पहुंचने का पहला और अक्सर एकमात्र साधन होती हैं, जिससे ये न्याय वितरण प्रणाली की रीढ़ बनती हैं।

सीवर में सफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके कारणों की विस्तृत जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों को पुनः समीक्षा कर उन्हें और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने सी.डी.यू. (कूड डिस्ट्रिक्शन यूनिट) में लगी आग को तत्पश्चात से काबू में करने वाले अग्निशमन कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पाना बड़ी राहत की बात है, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

ईरान युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हैं। इस प्रकार, स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि अमेरिका ने दो ईरानी जहाज जब्त कर लिए हैं, एक ओमान की खाड़ी में और दूसरा हिन्द महासागर में।

ट्रम्प ने औपचारिक इंटरव्यू में कहा कि चीन युद्ध सामग्री ईरान भेज रहा प्रतीत होता है। उन्होंने चीन को लेकर अपनी अप्रसन्नता और निराशा व्यक्त की और कहा कि उन्हें लगता था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके बीच ईरान को युद्ध सामग्री की आपूर्ति को लेकर ठीक-ठाक समझबूझ है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ईरान को उजत गोला-बारूद और वायु रक्षा प्रणालियाँ भेज रहा था। ट्रम्प ने आगे चेतावनी दी कि यदि चीन ने ऐसा किया तो उसे बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने पहले चेतावनी दी थी कि यदि चीन ईरान को किसी आपूर्ति में शामिल हुआ तो उस पर 50 शूल्क

लगाया जा सकता है।

ईरान ने वार्ता शुरू होने से पहले अपने जहाजों की तत्काल रिहाई की मांग की है। दूसरी ओर, अमेरिका वार्ता शुरू होने से पहले ईरानी मांगों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। दोनों देशों के बीच यह झुबानी लड़ाई इस तथ्य के संदर्भ में हो रही है कि ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार तक समाप्त होने वाला है।

दोनों पक्ष वार्ता से पहले अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरानी पावर प्रोजेक्ट, पुल और अन्य बुनियादी ढरूप पर बमबारी फिर से शुरू करने की गंभीर धमकियाँ दे रहे हैं और ईरानी सैन्य प्रवक्ताओं ने फिर से युद्ध के लिए तैयार होने का संकेत दिया है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध एक बार शुरू हो जाने पर मुश्किल से नियंत्रित किया जा सकेगा और यह दिखाहीन भी हो सकता है।

प्रशांत किशोर की पुरानी कंपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

“हमने अभी तक घबराने का बटन नहीं दबाया है। अब अभियान के अंतिम 10 दिन हैं। हम इसे अपने अभियान पर अस्तर डालने नहीं देंगे।”

एक अन्य स्रोत ने कहा कि आई-पैक को पार्टी की जीवनेरखा कहना अतिशयोक्ति है, और यह नोट किया कि कुछ कर्मी हैं, लेकिन वैकल्पिक सिस्टम अब सक्रिय हैं।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि आई-पैक पेशेवर अब भी उनके साथ काम कर रहे हैं, और अधिकांश घर या दूरस्थ स्थानों से अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

आई-पैक के हालिया कार्य का केन्द्र विनीश चंदेल, प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह सहित एक मुख्य नेतृत्व समूह रहा है। चंदेल को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य को इंडी द्वारा समन भेजे गए हैं। इनमें प्रतीक जैन तृणमूल के अभियान तंत्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। अपनी तीक्ष्ण डेटा अंतर्दृष्टि और मतदाता भावना की गहन समझ के लिए आंतरिक रूप से जाने जाने वाले

जैन, अधिपेक बनर्जी के उदय के इर्द-गिर्द रणनीति बनाने में गहराई से शामिल रहे हैं।

उन्होंने “ननो जोवार” अभियान जैसे आउटरीच प्रयासों के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो राज्यव्यापी यात्रा के इर्द-गिर्द बनाई गई थी और बनर्जी को जमीनी कनेक्ट वाला नेता दिखाती थी। जैन 2023 पंचायत चुनावों और 2024 लोकसभा चुनावों के रणनीति का भी केन्द्र बिंदु रहे, जहाँ तृणमूल ने अपनी संख्या बढ़ाई, जिससे उनकी पार्टी के वॉररूम में प्रभावशीलता मजबूत हुई।

वर्ष 2024 में तृणमूल ने भाजपा से बेहतर प्रदर्शन किया, क्योंकि उसने समझा कि 2018 के पंचायत चुनावों में हुई हार 2019 में 18 सीटें जीतने में मदद की थी। प्रतीक जैन ने पार्टी की रणनीति को सीमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस बीच, द्रमुक के लिए ऋषिराज सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, आई-पैक और पार्टी नेतृत्व के बीच मुख्य इंटरफेस के रूप में काम किया।

पूर्व क्रिकेटर व तृणमूल सांसद युसुफ पठान के ससुर व साले मुम्बई में गिरफ्तार हुए

दोनों पर तीन अन्य व्यक्तियों के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है

—जाल खंबाता—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। पूर्व

क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस के सांसद युसुफ पठान के ससुरालियों को आज मुम्बई में एक परिवार के तीन सदस्यों पर हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पठान के ससुर और साले उनके खिलाफ आरोपी हैं कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से एक व्यक्ति और उसके रिश्तेदारों को पीटा, क्योंकि उनकी कार से पानी छिड़क गया था।

घटना मुम्बई के भायकला क्षेत्र की है। किसी अन्य युसुफ पठान द्वारा चलाई जा रही कार के गुजरने पर खालिद पठान और शोएब खान, जो पूर्व क्रिकेटर के ससुर और साले हैं— पर सड़क पर जमा कीचड़ के छिटे पड़े गए। इसके बाद पहले तो मौखिक विवाद हुआ और फिर झड़प हो गया। पीड़ित पक्ष के सलमान

■ घटना भायकला की है, जहां सड़क पर पानी भरा हुआ था वहां से एक कार गुजरी और पानी के छिटे युसुफ पठान के ससुर व साले पर पड़ गए फिर उन्होंने कार में सवार तीन लोगों से मारपीट की।

ने बताया “मेरा भाई युसुफ पठान और मैं डिनर से लौट रहे थे, तभी कुछ कीचड़ शोएब नामक व्यक्ति पर छिटक गया।” “हमने कार रोकी और माफ़ी मांगी, लेकिन शोएब ने नहीं सुना और हमारी कार की विंडशील्ड तोड़ दी।”

जब पीड़ित, युसुफ पठान और उनके परिवार के सदस्य पुलिस स्टेशन जाने के लिए बाहर निकले, तो उन पर हमला किया गया।

पीड़ित ने बताया, “जब मेरे पिता और मैं अपने भाई को अस्पताल ले जा रहे थे, आठ से नौ हथियारबंद व्यक्ति सामने आए और हम पर हमला करना

शुरू कर दिया। उन्होंने हम तीनों को पीटा।”

खालिद और शोएब पर आरोप है कि उन्होंने बांस की छड़ और बेसबॉल बैट से परिवार पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कथित रूप से जान से मारने की धमकियाँ दीं और फिर मौके से फरार हो गए।

शिकायतकर्ता के भाई सलमान का हाथ टूट गया, जिसे डॉक्टरों के अनुसार ठीक होने में एक साल लग सकता है। पीड़ितों को जेजे अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतीत होता है कि विधानसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की परीक्षा है। दूसरी ओर, भाजपा के कार्यकर्ता ऐसे किसी भी अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और प्रधानमंत्री के पक्ष में खड़े होने के लिए तैयार रहते हैं। उदाहरण के लिए, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल यह आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों को डराने के लिए केन्द्रीय जाँच एजेंसियों (इंडोसीबीआई आदि) का डर पैदा कर रहे हैं। फिर भी, भाजपा का शोर और तेज हो गया, क्योंकि पार्टी कार्यकर्ता यह मान रहे हैं कि खड़गे और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने “मोदी को आतंकवादी कहकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया।”

चेन्नई में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए प्रचार करते समय, खड़गे ने कथित रूप से मोदी को “आतंकवादी” बताया और कहा कि भाजपा समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। उन्होंने पूछा, “वे (आईडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।” बाद में खड़गे ने स्पष्ट किया कि उनका मतलब यह था कि मोदी अन्य राजनीतिक दलों को केन्द्रीय जाँच एजेंसियों के इस्तेमाल के डर से आतंकित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा तिल का ताड़ बना रही है।

केरल में पटाखा युनिट में विस्फोट, 13 की मौत

त्रिशूर के विख्यात उत्सव की तैयारी के लिए युनिट में बड़े पैमाने पर पटाखे बन रहे थे

त्रिशूर, 21 अप्रैल। केरल के त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड क्षेत्र में मंगलवार को दोपहर करीब 3:30 बजे एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार केरल के प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए पटाखों की तैयारी में जुटी इस पटाखा फैक्ट्री में हादसे के समय करीब 40 मजदूर मौजूद थे। विस्फोट के बाद कई मजदूर आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। घायलों को तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों और घने धुएँ ने पूरे परिसर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। राहत और बचाव कार्य के दौरान भी बीच-बीच में छोटे धमाके होते रहे, जिससे बचाव दलों को काफी मुश्किलों का सामना

■ धमाका बहुत शक्तिशाली था कई किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और फिर कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची लपटों ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

करना पड़ा।

मौके पर पहुंचे एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि वहां लगभग 40 मजदूरों के लिए खाने का इंतजाम किया गया था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हादसे के वक्त वहां इतने लोग मौजूद रहे होंगे।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक विस्फोट एक अस्थायी शेड में हुआ, जहां पटाखों का निर्माण और भंडारण किया जा रहा था। हालांकि, विस्फोट के सटीक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी को आशंका जताई जा रही है।

‘महिला की ‘आउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद मतदाता सूची से बाहर कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत (याचिकाकर्ता की ओर से) की सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

जुडिशियल ऑफिसर द्वारा 27 मार्च को याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज करने के आदेश पर आपत्ति जताते हुए, वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पास पासपोर्ट है, वह 2002 की मतदाता

सूची का हिस्सा रही है और तब से लगातार मतदान कर रही है। फ़रासत ने यह भी बताया कि याचिकाकर्ता केवल सीमित राहत की मांग कर रही हैं, यानी विशेष (आउट-ऑफ-टर्न) सुनवाई की, क्योंकि सूची 27 अप्रैल को बंद हो जाएगी। जब सीजेआई ने पूछा कि क्या याचिकाकर्ता ने न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, तो याचिकाकर्ता ने उत्तर दिया, “हाँ, मैंने 3 अप्रैल को आवेदन किया था, लेकिन दुर्भाग्यवश सुनवाई नहीं हुई। मैं केवल यह अधिकार (आउट-ऑफ-टर्न सुनवाई) चाहती हूँ और मैं आगे न्यायालय में आगे बढ़ूँगी।”

नाबालिग से दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2023 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि दोपहर के समय उसकी पत्नी सोकर उठी तो कमरे में पन्द्रह वर्षीय पुत्री नहीं थी। जब उसकी तलाश करते हुए, वह छत पर गई तो वहाँ अभियुक्त उसकी नाबालिग बेटे के साथ दुष्कर्म कर रहा था। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना के

दिन ही अभियुक्त को गिरफ्तार किया और बाद में अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अभियोजन पक्ष की कहानी दोहराते हुए कहा कि अभियुक्त ने उसके साथ पहले भी दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता को डरा धमकाकर चुप करा दिया था। वहीं अभियुक्त और उस से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया।

हाईकोर्ट की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपये की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तिकरण के लिए पहुंचे जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। थारी पुलिस जाब्जा था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बार्डिंग वॉल, कोठरियाँ और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। परंतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाऊसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी।

इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण को सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाऊसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आवेदन किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेधा की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पेशेजान लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-डू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए सूच्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस फैसले के बाद हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपये की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए गत 16 अप्रैल को मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों और ध्वस्तिकरण के लिए पहुंचे जे.सी.बी. मशीनों पर पथराव किया था। थारी पुलिस जाब्जा था इससे आवासन मंडल की टीम ने जमीन के कुछ हिस्से पर बनी हुई बार्डिंग वॉल, कोठरियाँ और अन्य अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया था। परंतु मौके पर स्थानीय लोगों के बढ़ते विरोध और पथराव के बाद हाऊसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी थी।

इस घटनाक्रम के बाद 17 अप्रैल को श्रीराम कॉलोनी विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन ने इस प्रकरण को सुनवाई 20 अप्रैल तक टाल दी थी। इस दौरान हाऊसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आवेदन किया था कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेधा की खंडपीठ में इस प्रकरण की सुनवाई नहीं होती, तब तक मौके पर पेशेजान लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अब हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के गत 9 अप्रैल के उस आदेश को ही स्थगित कर दिया है, जिसमें जयपुर में बी-डू-बाईपास पर स्थित 42 बीघा जमीन को आवासन मंडल की मानते हुए 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को अवैध मानते हुए सूच्य घोषित किया गया था। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेडीए सहित, अन्य से जवाब मांगा है।

सूत्रों के अनुसार, उनकी निर्णयकर्ताओं तक सीधे पहुंचें थी, विशेष रूप से मुख्यमंत्री शर, और वे तमिलनाडु में अभियान रणनीति को समन्वित करने में गहराई से शामिल थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि कंसल्टेंसी की इनपुट और द्रमुक की आंतरिक मशीनरी में तालमेल बना रहे।

उनकी भूमिका विशेष रूप से डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि को जमीनी राजनीतिक संदेश और अभियान की प्रभावशीलता को माप के साथ एकीकृत करने में महत्वपूर्ण हो गई। तमिलनाडु में, द्रमुक पार्टी शो टाइम कंसल्टिंग के रॉबिन शर्मा के साथ भी काम कर रही है, जिन्होंने पहले एकनाथ शिंदे और चंद्रबाबू नायडू जैसे नेताओं के अभियान संभाले हैं।

पश्चिम बंगाल में छापों को लेकर राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट रहा है। तृणमूल के एक सूत्र ने कहा, “यहाँ काम करने वाले अधिकांश युवा बांग्ला हैं... यह भाजपा के लिए ही उल्टा पड़ने वाला है।” वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने यह भी रेखांकित किया कि पार्टी आई-पैक

से जुड़े युवा पेशेवरों के प्रति सजग है और उनके करियर को किसी भी जोखिम में नहीं डालने देंगे।

तमिलनाडु में, द्रमुक ने इसी तरह की सावधानी बरती है। जबकि आई-पैक अभी भी शामिल है, पार्टी की आंतरिक इकाई, जिसे अक्सर पीईएन कहा जाता है और जो मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दामाद सबरीसन द्वारा देखी जाती है, ने हाल के महीनों में अधिक भूमिका निभाई है। एक द्रमुक सूत्र ने कहा, आई-पैक और पीईएन अभियान संबंधी कार्यों में बहुत निकटता से काम करते हैं।

अभी के लिए, दोनों पार्टीयां सावधानीपूर्वक चल रही हैं। जमीनी स्तर पर अभियान गतिविधि स्थिर बनी हुई है, भले ही छापों के बाद आई-पैक का शीर्ष नेतृत्व के साथ जुड़ाव कम दिखाई दे। रणनीति स्पष्ट है, जोखिम को कम करना, आंतरिक क्षमता को अधिकतम करना, और चुनावी इजज को चालू रखना। सामान्य रूप से यह अस्थिरता लग सकती है, लेकिन जमीनी स्तर पर यह सामान्य व्यवसाय जैसा ही है।

प्र.मंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर कांग्रेस ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर नोटिस भेजा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केशी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पेट्टर पर सवाल उठाए।

वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए,

■ वेणुगोपाल ने कहा संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसद में किसी सांसद के भाषण या मतदान पर संसद के बाहर टिप्पणी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है।

बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है।

प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के

लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था।

वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित नारी शक्ति

वन्दन संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू

किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परि सीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।



राजस्थान सरकार

स्वच्छ धरती, सुरक्षित कल

यही है हमारा असली संवर्ल

पृथ्वी दिवस

22 अप्रैल, 2026

एक पेड़ मां के नाम, हरियाली राजस्थान एवं मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान के तहत प्रदेश में ढाई वर्षों में 19 करोड़ पौधे लगाए गए






इस पृथ्वी दिवस पर संकल्प लें - पेड़ लगाएं, जल बचाएं और प्रदूषण को दूर करें।

अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखें और धरती को हरियाली से भरकर आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर भविष्य दें।

पर्यावरण विभाग, राजस्थान